शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 296 | गुवाहाटी | मंगलवार, 2 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम आवास पर भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक, रास चुनाव पर मंथन — पेज 2

नलबाड़ी में युवक की हत्या का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर — पेज 3

गाय राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं : योगी — पेज 5

नार्वे शतरंज छठा दौर : भारतीय सितारों के लिए कठिन दिन... — पेज 7

ईरान ने यूएस से बंद की वार्ता

होर्मुज बंद करने की भी दी धमकी

तेहरान (हि.स.)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने लेबनान में जारी इजराइली सैन्य कार्रवाइयों के विरोध में अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं को निलंबित करने की घोषणा की है। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, तेहरान ने कहा है कि जब तक लेबनान और गाजा से जुड़े उसके प्रमुख सुरक्षा और राजनीतिक मुद्दों का समाधान नहीं होता, तब तक बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी *तसनीम* के अनुसार ईरानी वार्ता दल ने मध्यस्थों के जरिए होने वाली बातचीत और मसौदा दस्तावेज के -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति से *विकसित असम* के लिए मार्गदर्शन मांगा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उन्हें असम के विकास के सफर के बारे में जानकारी दी, साथ ही *विकसित असम* बनने की राज्य की यात्रा में उनके निरंतर मार्गदर्शन की मांग की। वीपी एन्क्लेव में हुई इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में साझा करते हुए शर्मा ने कहा कि उपराष्ट्रपति से मिलकर और उन्हें *असम की विकास गाथा* के बारे में बताने का उन्हें गर्व महसूस हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत के माननीय उपराष्ट्रपति से मिलकर और उन्हें असम -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा-नड्डा के बीच हुई वार्ता में प्रोटोन बीम थेरेपी रहा शीर्ष एजेंडा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी चार दिवसीय नई दिल्ली यात्रा के तीसरे दिन केंद्रीय नेताओं के साथ अपनी मुलाकातों को जारी रखते हुए सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की और राज्य के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य सेवा संबंधी कई पहलों पर उनका मार्गदर्शन मांगा। बैठक के बाद, शर्मा ने कहा कि उन्होंने असम में भाजपा को मजबूत करने में नड्डा की भूमिका के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

अगले 48 घंटे असम में रहेगा गर्म और उमस भरा मौसम : आईएमडी

गुवाहाटी। गुवाहाटी और असम के कई अन्य हिस्सों के निवासियों को अगले 48 घंटों में गर्म और उमस भरे मौसम का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि इस अवधि के दौरान दिन का तापमान सामान्य से 3°सी से 5°सी अधिक रह सकता है। गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि साफ से लेकर आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाले आसमान और तेज सौर ताप के कारण अगले दो दिनों में असम के कुछ स्थानों पर -शेष पृष्ठ दो पर

बजट के बाद दाल, चीनी और नमक पर सब्सिडी योजना फिर से शुरू होगी : सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत रियायती दरों पर मिलने वाली दाल, चीनी और नमक के वितरण को अगले दो महीनों के लिए रोक दिया है। सरकार ने सोमवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत रियायती दालों, चीनी और नमक के वितरण को दो महीने के लिए निलंबित करने की घोषणा की, क्योंकि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद भी वोट-ऑन-अकाउंट बजट पर काम जारी है। अखबारों में प्रकाशित एक विज्ञापन में, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कहा कि पात्र लोगों को रियायती कीमतों पर दी जा रही तीन खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति जून से दो महीने के लिए रोक दी गई है। विभाग ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

काटिगोरा के विधायक ने बदरपुर का नाम बदलकर सिद्धेश्वर धाम करने का प्रस्ताव रखा

सिलचर। काटिगोरा के विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने बदरपुर कस्बे का नाम बदलकर सिद्धेश्वर धाम रखने के लिए एक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है, जिसमें उन्होंने इस प्रस्ताव को एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के बजाय आस्था, विरासत और सभ्यतागत पहचान का मामला बताया है। पुरकायस्थ ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को प्रस्तुत प्रस्ताव को शहरी विकास विभाग को भेज दिया गया है और मुख्यमंत्री ने विभाग के आयुक्त को उचित प्रक्रिया के अनुसार मामले को आगे बढ़ाने के लिए कहा है। सिद्धेश्वर मंदिर बदरपुर के लिए सिर्फ एक पूजा स्थल नहीं है; यह बराक घाटी के लोगों के लिए एक भावनात्मक और आध्यात्मिक केंद्र है। मैंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के समक्ष यह प्रस्ताव रखा था, और मैं आभारी हूं कि मुख्यमंत्री ने इस मामले को शहरी विकास विभाग को भेज दिया है। अंतिम निर्णय निश्चित रूप से असम सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

माजुली द्वीप में मिला 4,000 साल पुराने वनस्पति का इतिहास

नई दिल्ली (हि.स.)। दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप असम के माजुली में 4,000 वर्षों के जलवायु एवं वनस्पति इतिहास का पता चला है। यहां शोध कर रहे वैज्ञानिकों के मुताबिक यह अध्ययन बाढ़ एवं जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों के लिए भविष्य की अनुकूलन रणनीतियां तैयार करने में मददगार साबित होगा। लखनऊ स्थित बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिकों ने माजुली के सकाली वेटलैंड से 150 सेंटीमीटर गहरे तलछट नमूने एकत्र कर उनका अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने परागकणों और मिट्टी के कणों के विश्लेषण के जरिए द्वीप के पर्यावरणीय इतिहास का पुनर्निर्माण किया। अध्ययन के अनुसार लगभग 4040 से 2260 वर्ष पूर्व माजुली क्षेत्र में गर्म और आर्द्र जलवायु थी तथा यहां घने जंगल मौजूद थे। इसके बाद मानसून और बाढ़ के स्वरूप में कई बदलाव आए। 1100 से 500 वर्ष पूर्व के दौरान क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक नमी वाला दौर रहा, जबकि पिछले लगभग 500 वर्षों में तापमान और वर्षा में गिरावट दर्ज की गई। वैज्ञानिकों ने पाया कि हाल के सदियों में मानव गतिविधियों का प्रभाव बढ़ा है, जिसके कारण प्राकृतिक वनस्पति में बदलाव देखने को मिला। अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि माजुली ने अतीत में कई जलवायु परिवर्तनों एवं प्राकृतिक चुनौतियों का सामना किया है। ब्रह्मपुत्र और सुबनसिरी नदियों के बीच स्थित माजुली वर्षों से बाढ़ और नदी कटाव की समस्या झेल रहा है। ऐसे में यह शोध क्षेत्र की जलवायु, बाढ़ और पर्यावरणीय बदलावों को समझने तथा भविष्य की आपदा प्रबंधन और संरक्षण नीतियों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वैज्ञानिकों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुनिया का बस यही उसूल है कि, जब तक काम है तब तक ही नाम है, बाकी दूर से ही सलाम है।।

-अज्ञात

मणिपुर में उतरेगी सीआरपीएफ की *कोबरा* यूनिट

हिंसा के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली /इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने राज्य में सीआरपीएफ की विशेष कोबरा बटालियन की दो यूनिट तैनात करने को मंजूरी दे दी है। मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद पहली बार कोबरा बटालियन को मणिपुर भेजा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एक बटालियन असम और दूसरी पश्चिम बंगाल से मणिपुर भेजी जाएगी। सीआरपीएफ के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार, 35 मंत्रियों ने ली शपथ

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के मंत्रिमंडल का सोमवार को पहला बड़ा विस्तार हुआ। लोक भवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आर.एन. रवि ने 35 नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल विस्तार में 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, तीन नेताओं को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री तथा 19 नेताओं को राज्य मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 41 हो गई है। समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान के साथ हुई थी।

इन 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है- दीपक बर्मन, तापस राय, -शेष पृष्ठ दो पर

देश में पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार : सरकार

नई दिल्ली (हि.स)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद हम कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को बनाए रखने में सफल रहे हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में दावा करते हुए कहा कि हमारे पास पूरे देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि कुछ जगहों से ऐसी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

रास और राज्य विधान परिषद के चुनाव 18 को

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज सोमवार, 1 जून को राज्यसभा की 27 सीटों और तीन राज्यों की राज्य विधान परिषदों के चुनावों का शेड्यूल जारी कर दिया है। चुनाव आयोग के जारी शेड्यूल के मुताबिक, चुनाव 18 जून को होंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

पुणे जहरीली शराब मामले में चार और पुलिसकर्मी निलंबित

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के पुणे जहरीली देशी शराब मामले में सोमवार को पुणे ग्रामीण पुलिस मुख्यालय ने चार और पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इससे पहले 12 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया जा चुका है। इसके अलावा विभागीय अधिकारियों पर भी कार्रवाई रेकी -शेष पृष्ठ दो पर

के अन्नामलाई छोड़ेंगे भाजपा का साथ!

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों जिस नाम की सबसे अधिक चर्चा है, वह है के अन्नामलाई। दक्षिण भारत में भाजपा का सबसे तेजतर्रार चेहरा माने जाने वाले अन्नामलाई ने अब पार्टी से इस्तीफा देने का मन बना लिया है। भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार वह दिल्ली पहुंच चुके हैं और मंगलवार को पार्टी नेतृत्व के सामने औपचारिक रूप से अपना निर्णय रख सकते हैं। यह केवल एक इस्तीफा नहीं माना जा रहा, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में आने वाले एक बड़े भूचाल का संकेत भी समझा जा रहा है। पूर्व पुलिस अधिकारी से जननेता बने अन्नामलाई ने पिछले छह वर्षों में जिस तेजी से अपनी राजनीतिक पहचान गढ़ी, वह किसी भी नए नेता के लिए मिसाल कही जा सकती है। भारतीय पुलिस सेवा की प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखने वाले अन्नामलाई ने बहुत कम समय में खुद को भाजपा के सबसे प्रभावशाली दक्षिण भारतीय नेताओं में शामिल कर लिया। उनकी सभाओं में उमड़ती भीड़, धारदार भाषण और संगठन को जमीन पर खड़ा करने की क्षमता ने उन्हें अलग पहचान दी। यहां तक कि उनके विरोधी भी उनकी ऊर्जा, कार्यशैली और राजनीतिक समझ की खुलकर सराहना करते रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक अन्नामलाई ने दिल्ली पहुंचने से पहले -शेष पृष्ठ दो पर

6 को भारत आ रहे कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक, जंतर-मंतर पर करेंगे धरना प्रदर्शन

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भारत लौटने का फैसला किया है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर दी है। अभिजीत ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में उन्हें अमेरिका में नौकरी के कई शानदार ऑफर मिले थे। इसके बावजूद उन्होंने इन ऑफर्स को ठुकरा दिया। उनका कहना है कि वे अपने देश से प्यार करते हैं और भारत के लिए कुछ करना चाहते हैं। एक्स पर साझा एक वीडियो संदेश में सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए स्वदेश वापस आ रहे हैं। उन्होंने पेपर लीक के मुद्दे पर गहरी नाराजगी जताई है। दीपके के अनुसार, पेपर लीक की वजह से नीट की तैयारी करने वाले कई बच्चों ने गलत कदम उठाए। लाखों छात्रों की कड़ी मेहनत बेकार चली गई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े संकट के लिए शिक्षा मंत्री को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत अपने पद से हट जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर लोग इस मुद्दे पर लगातार आवाज उठा रहे हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

पीएम आवास पर भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक, रास चुनाव पर मंथन

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर रविवार को हुई। बैठक में 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर चुनाव समेत 3 राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई। साथ ही महाराष्ट्र समेत कुछ अन्य राज्यों में विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों पर चर्चा हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य शामिल हुए। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने बैठक में विभिन्न राज्यों में होने वाले राज्यसभा चुनावों और विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों की पूरी जानकारी दी। नितिन नबीन और बीएल संतोष ने भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) को राज्यवार जानकारी देते हुए बताया कि राज्यसभा चुनावों में भाजपा और एनडीए की जीत की संभावनाएं क्या हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि जिन राज्यसभा सीटों पर वर्तमान में भाजपा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और चुनाव होने वाले हैं, उनके अतिरिक्त पार्टी को 3-4 और सीटें जीतने की उम्मीद है। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाव दिया कि संबंधित राज्य अपनी-अपनी राज्यसभा सीटों के संबंध में पूरी तैयारी और विस्तृत समीक्षा करें। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष अंतिम निर्णय लें। साथ ही विधान परिषद की सीटों पर उम्मीदवारों के नामों को तय करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश की ईकाई को अधिकृत किया गया। महाराष्ट्र में भाजपा के कुल 17 एमएलसी सीटों में से 10 से 11 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है, जबकि बची बाकि सीटें सहयोगी दलों के बीच बांटी जाएगी। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर चर्चाओं के अलावा भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठकें अमूमन नहीं होती हैं, इसलिए रविवार की इस बैठक के अलग मायने भी निकाले जा रहे हैं। बैठक का समय और पार्टी के शीर्ष निर्णयकर्ताओं की मौजूदगी को देखते हुए यह चर्चा भी है कि पार्टी नेतृत्व नितिन नबीन की नई टीम के गठन को लेकर तैयारी भी कर रहा है। रविवार की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद पीएम मोदी के साथ भाजपा के शीर्ष नेताओं की अलग से बैठक हुई। इस बैठक में नितिन नबीन, बीएल संतोष, अमित शाह और राजनाथ सिंह मौजूद थे। माना जा रहा है कि चुनाव समिति के बाद हुई भाजपा के इस शीर्ष नेताओं की बैठक में संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की गई और राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर लंबित नियुक्तियों पर चर्चा हुई।

टीएमसी विधायकों को पार्टी छोड़ने के लिए धमका रही पुलिस : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद तृणमूल के अंदर उथल-पुथल बढ़ती जा रही है। विधायकों की बुलाई गई बैठक से 60 विधायक गैरहाजिर रहें। ऐसे में तृणमूल सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लाइव होकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप जितनी ताकत लगा लो, तृणमूल को तोड़ा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने के लिए टीएमसी विधायकों को धमकाया जा रहा है। कुछ दिन पहले ममता बनर्जी ने एलान किया था कि वह अब से प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेंगी, उन्हें जो भी कहना होगा, वह सोशल मीडिया पर लाइव आकर कहेंगी। आज तृणमूल ने पार्टी के दो विधायकों ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निकाल दिया। सोशल मीडिया पर एक लाइव वीडियो में ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के विधायकों को पुलिस डरा रही है। उनसे कहा जा रहा है कि पार्टी तोड़ो, फलां आदमी से कॉन्टैक्ट करो। क्या यह प्रजातंत्र का उदाहरण है? विधायकों को डराया जा रहा है। कल, चार विधायकों ने मुझे बताया कि उन्हें डराया जा रहा है। ईडी उन्हें अरेस्ट करेगी। सीबीआई उन्हें अरेस्ट करेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि क्या आप तृणमूल कांग्रेस को तोड़ना चाहते हैं? आप कितनी भी कोशिश कर लें, तृणमूल कांग्रेस और मजबूत होगी। याद रखिए, कुछ विधायक और सांसद को पैसे देकर या धमकाकर तृणमूल को कमजोर नहीं किया जा सकता। आप जो चाहें जोर-जबरदस्ती कर लें, तृणमूल को तोड़ा नहीं जा सकता। बंगाल के लोगों को झुकाया नहीं जा सकता। जो लोग बंगाली स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ मजाक कर रहे हैं, मैं स्टूडेंट कम्युनिटी से अपील करूंगी कि आप विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं? आप समाज की रीढ़ हैं। हम स्टूडेंट्स भी विरोध करते रहे हैं। जहां भी हमने अन्याय देखा, हमने विरोध किया। इसके बाद उन्होंने शिकायत की कि वे हमारे वर्कर्स को जुलूस नहीं निकालने दे रहे हैं। वे उन्हें मीटिंग नहीं करने दे रहे हैं। वे उन्हें अपने घरों से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। हमारे 2,500 पार्टी ऑफिस तोड़ दिए गए हैं। वर्कर्स मारे जा रहे हैं। उन्होंने बंगाल को टारगेट किया है और उसे हराया है। मुझे जानकारी है कि आपने 177 सीटों पर कैसे धांधली की।

कछार में 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद

कछार (हिंस)। कछार जिलांतर्गत कलाईन पुलिस स्टेशन के दिगोरखाल में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के संबंध में मिली विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आज भारी मात्रा में हेरोइन बरामद किया। इस संबंध में दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। कछार जिला पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार पुलिस टीम द्वारा सूचना पर कार्रवाई करते हुए नाका चेकिंग के दौरान, कलाईन की ओर आ रही एक मारुति बलेनो गाड़ी (एएस- 01ईटी-6933) को रोका गया। स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में और वीडियोग्राफी के तहत गाड़ी की तलाशी लेने पर मादक पदार्थ एवं अन्य वस्तुएं बरामद हुई। बरामद वस्तुओं में 22 साबुनदानी, जिनमें 258 ग्राम संदिग्ध हेरोइन थी। दो मोबाइल फोन और एक बलेनो कार शामिल हैं। पुलिस ने डीडीके किट में हेरोइन की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

गुवाहाटी में आईपीएल सट्टेबाजी गिरोह पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में अवैध आईपीएल सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने आठ सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक करोड़ रुपए से अधिक की नकदी बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि, छापेमारी में एक पिस्तौल और 40 राउंड जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए हैं। इसके अलावा दो लैपटॉप, 15 एटीएम कार्ड तथा सट्टेबाजी और वित्तीय लेन-देन से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच के दौरान 26 विभिन्न स्थानों की भूमि संबंधी दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे सट्टेबाजी के इस नेटवर्क के आर्थिक गतिविधियों और संपत्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई को गुवाहाटी में सक्रिय अवैध आईपीएल सट्टेबाजी गिरोहों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

मई में तिनसुकिया मंडल के स्लीपर रिन्युअल कार्यों में रिकॉर्ड प्रगति

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के तिनसुकिया मंडल ने मई 2026 के दौरान थ्रू स्लीपर रिन्यूअल (टीएसआर) कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर बुनियादी ढांचे के रखरखाव के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मराणहाट-डिब्रूगढ़ सेक्शन में ट्रैक रिलेइंग ट्रेन (टीआरटी) मशीन का उपयोग कर कुल 10.61 किलोमीटर स्लीपर रिन्यूअल सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जो हाल के समय में मंडल के बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह उपलब्धि इस महीने के दौरान 21 ट्रैफिक ब्लॉक (जिनमें 9 रात्रि ब्लॉक शामिल थे) के प्रभावी उपयोग से संभव हो पाई है, जिससे नवीनीकरण कार्यों में बिना किसी रुकावट के प्रगति सुनिश्चित हुई। विभिन्न विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय, जनशक्ति और मशीनों की कुशल तैनाती, निर्बाध शंटिंग कार्य और सिग्नलिंग एवं ओवरहेड ट्रैक्शन कार्यों के एक साथ निष्पादन से निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्लीपर रिन्यूअल कार्यों के सफल समापन से पूसीरे के तिनसुकिया मंडल के मोरानहाट-डिब्रूगढ़ सेक्शन में ट्रैक संरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता में काफी वृद्धि हुई है। यह नवीनीकृत ट्रैक अवसंरचना ट्रेनों के निर्बाध परिचालन और यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव में योगदान प्रदान करेगा, जिससे ट्रेन यात्राओं के दौरान संरक्षा, दक्षता और यात्रियों की सुविधा के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति पूसीरे की प्रतिबद्धता पुनः प्रमाणित हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

ईरान ने यूएस ...

आदान-प्रदान को फिलहाल रोक दिया है। ईरान का कहना है कि लेबनान में संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन हुआ है और इस स्थिति में वार्ता जारी रखना उचित नहीं होगा। ईरान ने मांग की है कि गाजा और लेबनान में सैन्य कार्रवाई तत्काल रोकी जाए तथा इजराइली सेना लेबनान से पूरी तरह पीछे हटे। तेहरान का कहना है कि इन मुद्दों पर संतोषजनक प्रगति होने तक बातचीत की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगी समूहों ने होर्मुज तथा बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से जुड़े विकल्पों पर विचार शुरू कर दिया है। हालांकि इन दावों पर स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, बेंजामिन नेतन्याहू ने इजराइली सेना को बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह क्षेत्र में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह इलाका हिज्बुल्लाह का प्रमुख गढ़ माना जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस कार्रवाई को लेकर अमेरिका और इजराइल के बीच समन्वय भी हुआ है।

मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति से ...

की विकास गाथा के बारे में बताने का मुझे गर्व महसूस हुआ। शर्मा ने उपराष्ट्रपति को सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक बताया और कहा कि उनसे बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, कड़ी मेहनत और समर्पण के प्रतीक राधाकृष्णन जी से मिलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वह उपराष्ट्रपति के निरंतर मार्गदर्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि असम विकसित असम की परिकल्पना के तहत अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब असम सरकार अपने दीर्घकालिक विकास एजेंडे के तहत आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक क्षेत्र में सुधारों को तेज करने के प्रयास कर रही है।

डॉ. शर्मा-नड्डा के बीच...

मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज दिल्ली में उनसे मुलाकात के दौरान, मैंने उनके प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और राज्य में हमारे द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य क्षेत्र की योजनाओं को लागू करने के लिए उनका मार्गदर्शन मांगा, जिनमें मेडिकल कॉलेजों से लेकर प्रोटॉन बीम थेरेपी और डॉक्टरों की भर्ती बढ़ाने के साथ-साथ असम को मेडिकल टूरिज्म के लिए एक पसंदीदा केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब असम चिकित्सा शिक्षा क्षमता बढ़ाने, विशेष उपचार सुविधाओं की शुरुआत करने और पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार करने पर केंद्रित एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा विस्तार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है। स्वास्थ्य सेवा संबंधी यह रोडमैप राज्य सरकार के 2030 तक हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। इससे पहले, शर्मा ने कहा था कि दीर्घकालिक उद्देश्य असम भर में चिकित्सा पेशेवरों का एक बड़ा समूह तैयार करते हुए स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करना है। राज्य की स्वास्थ्य सेवा रणनीति का एक प्रमुख घटक प्रोटॉन बीम थेरेपी की नियोजित शुरुआत है, जो एक उन्नत सटीक कैंसर उपचार तकनीक है जो वर्तमान में भारत में केवल कुछ ही केंद्रों पर उपलब्ध है।

अगले 48 घंटे असम ...

अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की संभावना है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को गुवाहाटी का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि सोमवार तड़के न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी द्वारा निगरानी किए गए प्रमुख स्टेशनों में, धुबड़ी और सिलचर सबसे गर्म रहे, जहां अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तरी लखीमपुर में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता के स्तर के संयोजन के कारण अगले 48 घंटों में असम के कुछ स्थानों पर गर्म और उमस भरी स्थिति रहने की बहुत संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि आम जनता के लिए गर्मी सहनीय रहने की संभावना है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि शिशुओं, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें कहा गया है कि लंबे समय तक गर्म मौसम के संपर्क में रहने से निर्जलीकरण, गर्मी से थकावट, हीट स्ट्रोक और गर्मी से संबंधित अन्य बीमारियां हो सकती हैं। विभाग ने लोगों को हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान सीधे धूप में लंबे समय तक रहने से बचने की सलाह दी है। इसमें किसानों और बाहरी कामगारों से धूप में कम समय बिताने का आग्रह किया गया है और बच्चों या पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ियों के अंदर न छोड़ने की सलाह दी गई है। सार्वजनिक सभाओं और रैलियों के आयोजकों से दिन के सबसे गर्म समय के दौरान सावधानी बरतने को कहा गया है। हालांकि, मौसम विज्ञान विभाग ने कुछ राहत देते हुए भविष्यवाणी की है कि अगले 48 घंटों के बाद असम में अधिकतम तापमान में 4°सी से 6°सी तक की गिरावट आने की संभावना है।

बजट के बाद दाल...

राज्य वर्तमान में वोट-ऑन-अकाउंट बजट के तहत काम कर रहा है और 2026-27 का पूरा बजट नई सरकार द्वारा जुलाई में पेश किया जाएगा। इसमें आगे कहा गया है कि नई सरकार जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेगी और इसके पारित होने के बाद, यह योजना अगस्त से फिर से शुरू हो जाएगी। हालांकि, इस अवधि के दौरान मासिक मुफ्त चावल का वितरण निर्बाध रूप से जारी रहेगा। सरकार ने कहा कि अगर मई में वितरण के बाद कुछ दुकानों में मसूर दाल, चीनी और नमक बच जाता है, तो उसे इस महीने गरीब परिवारों को दे दिया जाएगा। विधानसभा चुनावों से पहले फरवरी में अंतरिम बजट पेश करते हुए, तत्कालीन वित्त मंत्री अजंता नियोग ने पूर्ण बजट पेश होने तक आवश्यक सेवाओं पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए सरकार को सक्षम बनाने हेतु 62,294.78 करोड़ रुपए के अग्रिम मतदान की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि भोजन के बुनियादी अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 70.71 लाख परिवारों को कवर किया और एनएफएसए और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 2.49 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त चावल प्रदान किया।

काटिगोरा के विधायक ...

द्वारा लिया जाएगा, पुरकायस्थ ने सोमवार को बताया। पुरकायस्थ ने नाम परिवर्तन की सीमाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बात करते हुए इसके प्रतीकात्मक महत्व का बचाव किया। उन्होंने कहा कि मैं सहमत हूं कि केवल नाम से विकास नहीं होता, लेकिन यह किसी स्थान की पहचान, भावना और वातावरण को आकार देता है। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित नाम क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक छवि बनाएगा और लोगों और उनकी पवित्र विरासत के बीच के बंधन को मजबूत करेगा। इस सुझाव का खंडन करते हुए कि यह कदम उनकी चुनावी जीत के बाद उठाया गया एक राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक था, विधायक ने कहा कि विकास और सांस्कृतिक गरिमा दोनों के लिए काम करना एक जन प्रतिनिधि के रूप में उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रस्ताव पर कुछ आपत्तियां उठ सकती हैं, लेकिन उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसके पीछे की भावना को भारतीय सभ्यता और आध्यात्मिक विरासत का सम्मान करने वाले लोग समझेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत का सम्मान करने वाले लोग सिद्धेश्वर धाम के पीछे की भावना को समझेंगे। प्रस्ताव को तीखा राजनीतिक रंग देते हुए, विधायक ने इस अवसर का उपयोग असम में पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए किया, यह सुझाव देते हुए कि उस अवधि के दौरान शासन में सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं को शायद ही कभी जगह मिली थी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक जनता की ऐसी सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं को वह महत्व नहीं मिला जिसकी वे हकदार थीं। असम में कांग्रेस के पूर्व शासनकाल में भारतीय सभ्यता, स्थानीय आस्था, सनातन विरासत और जनता की भावनात्मक पहचान से जुड़ी अपीलों को अक्सर नजरअंदाज या दरकिनार कर दिया गया। लेकिन आज मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में इन लंबे समय से चली आ रही सांस्कृतिक आकांक्षाओं को गंभीरता और सम्मान के साथ सुना जा रहा है।

माजुली द्वीप में मिला ...

के मुताबिक यह अध्ययन ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी के जलवायु इतिहास को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं बनाने में सहायता मिलेगी। आर्य पांडे (डीएसटी-इंस्पायर एसआरएफ) और बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज (बीएसआईपी) वैज्ञानिक-ई (पर्यवेक्षक) डॉ. स्वाति त्रिपाठी के नेतृत्व में यह अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में डॉ. साधन कुमार बसुमतारी (बीएसआईपी), डॉ. सलमान खान (जर्मनी), डॉ. हेमा सिंह (बीएचयू), डॉ. विश्वजीत ठाकुर (बीएसआईपी) और डॉ. अनुपम शर्मा (बीएसआईपी) ने भी सहयोग किया।

मणिपुर में उतरेगी ...

गृह मंत्रालय ने इस तैनाती को मंजूरी दी है। मणिपुर के दूरदराज और घने जंगल वाले इलाकों में सुरक्षा अभियान चलाने के लिए कोबरा बटालियन की खास ट्रेनिंग काफी मददगार साबित होगी। कोबरा यानी कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन का गठन साल 2008 में किया गया था। यह सीआरपीएफ की विशेष कमांडो इकाई है, जिसे जंगल युद्ध, गुरिल्ला ऑपरेशन, खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई और दुर्गम इलाकों में अभियान चलाने के लिए ट्रेन किया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, राज्य में ऑपरेशन के लिए कोबरा की 207वीं (पश्चिम बंगाल से) और 210वीं (असम से) तैनात की जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार, इन यूनिटों के आने वाले हफ्तों में मणिपुर पहुंचने की उम्मीद है। यहां वे हिंसा में शामिल हथियारबंद गुटों के खिलाफ टार्गेट ऑपरेशन चलाएंगी। सीआरपीएफ की तरफ से गठित किए गए कोबरा को कई राज्यों में वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में चल रहे विद्रोह से निपटने का काम सौंपा गया था। इस फोर्स में फिलहाल 10 बटालियन हैं, जिन्हें मुख्य रूप से नक्सल-विरोधी ऑपरेशन में तैनात किया जाता है। हर बटालियन में लगभग 1,000 जवान शामिल होते हैं। अब तक कोबरा बटालियन मुख्य रूप से नक्सल प्रभावित राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और बिहार में तैनात रही है। मणिपुर में इसकी तैनाती को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में ...

डॉ. शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शारद्वत मुखर्जी, दुध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास।

स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री

तीन विधायकों को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी दी गई है। ये हैं--

डॉ. इंद्रनील खान, मालती रावा राय और राजेश महतो

राज्य मंत्री

समारोह में 19 विधायकों ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। ये हैं--

जुएल मुर्मू, हरे कृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चांद बाउड़ी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता विश्वास मिश्रा, उमेश राय, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिवाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गर्गी दास घोष, विराज विश्वास, दीपंकर जाना और सुमना सरकार। शपथ ग्रहण समारोह में अधिकांश नेता पारंपरिक बंगाली परिधान धोती और कुर्ता में पहुंचे। कई नवनियुक्त मंत्री अपने परिवार के सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अलावा केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और मंत्री अग्निमित्रा पाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। मंत्रिमंडल विस्तार में संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है। उत्तर बंगाल के विधायकों को अधिक जगह मिली है। सूत्रों के मुताबिक, विभागों का अंतिम आवंटन जल्द किया जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद सभी मंत्री नवान्न पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इससे पहले 09 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच मंत्रियों अग्निमित्र पॉल, दिलीप घोष, खुदीराम टुडू, निशिथ प्रमाणिक और अशोक कीर्तनीय ने भी शपथ ग्रहण की थी।

देश में पेट्रोलियम पदार्थों ...

रिपोर्ट सामने आई हैं जिनमें पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री असामान्य रूप से ज्यादा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में एलपीजी से संबंधित 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने बताया कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने का अनुरोध किया गया है। तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने भी 460 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर अचानक निरीक्षण किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 42 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरों पर जुर्माना लगाया गया है। शर्मा ने कहा कि मार्च से अब तक लगभग 8,56,000 पीएनजी कनेक्शनों को गैस से जोड़ा गया है, 2,96,000 कनेक्शन के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है और 8,78,000 नए ग्राहक पंजीकृत किए गए हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने बताया कि खरीफ सीजन के लिए उर्वरक का स्टॉक अभी 51 फीसदी पर बनाए रखा गया है, जो कि सामान्य स्तर 33 फीसदी से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि सरकार ने पहले से ही स्टॉक जमा करने और लॉजिस्टिक्स का सही तरीके से प्रबंधन किया है। घरेलू उर्वरक उत्पादन लगभग 104.81 लाख एमटी रहा है और लगभग 27.62 लाख एमटी आयात हमारे यहां पहुंच चुका है।

के अन्नामलाई छोड़ेंगे ...

ही अपना मन बना लिया था। उनका यह दौरा पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करने का प्रयास भी माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि वह भाजपा को उन अवसरों और अनुभवों के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, जो उन्हें राजनीति में आने के बाद मिले। लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हो चुका है कि अन्नामलाई अब सीमित भूमिका में राजनीति करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल पिछले कई सप्ताहों से अन्नामलाई के भविष्य को लेकर तमिलनाडु से लेकर दिल्ली तक अटकलों का बाजार गर्म था। कभी नई पार्टी बनाने की चर्चा हुई तो कभी भाजपा में उनकी नाराजगी को लेकर बहस चली। खास बात यह रही कि अन्नामलाई ने कभी इन चर्चाओं का सख्त खंडन नहीं किया। यही कारण है कि राजनीतिक गलियारों में यह धारणा मजबूत होती चली गई कि वह किसी बड़े निर्णय की ओर बढ़ रहे हैं। भाजपा के भीतर भी धीरे धीरे चर्चा इस बात पर पहुंच गई कि आखिर अन्नामलाई चाहते क्या हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि अन्नामलाई की मांग साफ थी। या तो उन्हें तमिलनाडु में दीर्घकालिक स्वतंत्र नेतृत्व दिया जाए, जहां वह कम से कम सात वर्षों तक अपनी रणनीति के अनुसार संगठन को आगे बढ़ा सकें, या फिर उन्हें अपनी अलग राजनीतिक राह चुनने की छूट दी जाए। यह मांग इसलिए भी अहम हो गई क्योंकि अभिनेता से नेता बने सी जोसेफ विजय के उदय ने राज्य का पूरा राजनीतिक गणित बदल दिया है। देखा जाये तो अन्नामलाई की सबसे बड़ी ताकत यह रही कि उन्होंने अपनी राजनीति को केवल धार्मिक या वैचारिक सीमाओं में नहीं बांधा। उनके भाषणों में तमिल पहचान, सुशासन, भ्रष्टाचार विरोध, विकास और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दे प्रमुखता से दिखाई देते रहे। वह भाजपा के भीतर रहकर भी तमिल समाज की भाषा में राजनीति करने की कोशिश करते नजर आए। यही कारण है कि उन्हें पारंपरिक राजनीति से अलग एक आधुनिक और आकांक्षी नेता माना गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई की राजनीति का मूल आधार विचारधारा से अधिक नेतृत्व क्षमता और जनसंपर्क है। उनके समर्थकों का कहना है कि वह किसी स्थापित ढांचे में सीमित रहने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि वह अपने लिए व्यापक राजनीतिक स्थान चाहते हैं। यही बेचैनी अब भाजपा के लिए चुनौती बनती दिखाई दे रही है। देखा जाये तो तमिलनाडु में विजय की लोकप्रियता बढ़ने के बाद यह बहस और तेज हो गई कि यदि अन्नामलाई को पहले से अधिक स्वतंत्रता और महत्व दिया गया होता, तो शायद राज्य में बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक कोई और नहीं बल्कि वही होते। चुनाव से पहले उन्हें जिस तरह सीमित दायरे में रखा गया और गठबंधन की राजनीति में बांधा गया, उससे उनके समर्थकों में असंतोष भी बढ़ा। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सबसे लोकप्रिय प्रचारकों में अन्नामलाई का नाम शीर्ष पर बना रहा। अब सवाल यह है कि क्या अन्नामलाई नई पार्टी बनाएंगे? राजनीतिक जानकार मानते हैं कि यह रास्ता आसान नहीं होगा, क्योंकि तमिलनाडु में पहले से कई क्षेत्रीय दल मौजूद हैं। फिर भी यह सच है कि यदि अन्नामलाई कभी स्वतंत्र राजनीतिक मंच बनाते हैं, तो वह शुरुआत से ही मजबूत चुनौती पेश कर सकते हैं। खासकर पश्चिमी तमिलनाडु और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के बीच उनकी पकड़ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज स्थिति यह है कि कुछ वर्ष पहले तक अन्नामलाई की चुनौती तमिलनाडु में भाजपा को बड़ा बनाना थी, लेकिन अब परिस्थिति उलट चुकी है। अब चर्चा इस बात की है कि क्या भाजपा जैसी पार्टी भी अन्नामलाई जैसी ऊर्जावान, महत्वाकांक्षी और जनाधार वाले नेता के लिए पर्याप्त राजनीतिक स्थान दे पा रही है। तमिलनाडु की राजनीति के इस मोड़ पर अन्नामलाई केवल एक नेता नहीं, बल्कि परिवर्तन की उस बेचैनी का चेहरा बन चुके हैं जो राज्य की पारंपरिक राजनीति को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

6 को भारत आ रहे ...

लखनऊ, जयपुर, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसी जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी हो रहे हैं। इसके बावजूद सरकार पर कोई खास असर नहीं पड़ रहा है। दीपके ने आंकड़े देते हुए कहा कि नीट के 22 लाख, सीबीएसई के 17 लाख, सीयूईटी के 16 लाख और एसएससी जीडी के 40 लाख छात्रों समेत लगभग एक करोड़ से ज्यादा युवाओं के भविष्य के साथ सिस्टम ने मजाक किया है। अभिजीत ने कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर बहुत ज्यादा परेशान और डरे हुए हैं। इतने बड़े ब्लंडर के बाद भी अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते, तो इसका मतलब है कि देश में जवाबदेही नाम की कोई चीज नहीं बची है। उन्होंने सवाल उठाया कि सिस्टम की गलतियों का सारा खामियाजा सिर्फ छात्र ही क्यों भुगतें? विरोध प्रदर्शन की योजना साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे 6 जून, शनिवार की सुबह दिल्ली पहुंचेंगे। वे अपने समर्थकों के साथ एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे। वहां वे जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति मांगेंगे। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को गलत के खिलाफ शांति से आवाज उठाने का अधिकार देता है। वे उसी संविधान के रास्ते पर चलेंगे। अभिजीत ने अपने समर्थकों और छात्रों से इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उनके दोस्तों और परिवार को डर है कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज देगी। लेकिन उन्हें लोकतंत्र और संविधान पर पूरा भरोसा है। वे गांधी, अंबेडकर, भगत सिंह और नेहरू के विचारों के प्रशंसक हैं। उन्होंने साफ किया कि वे जेल जाने से नहीं डरते। उनके अनुसार, यह देश किसी एक पार्टी का नहीं बल्कि हम सबका है। अगर आज हम चुप रहे, तो हमारा भविष्य बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सभी समर्थकों से एकजुट होने का आह्वान किया है।

रास और राज्य ...

सभी चुनावों के लिए वोटिंग 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। वोटों की गिनती भी उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू हो जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया कि राज्यसभा की 10 राज्यों की 24 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होंगे। बिहार में राज्य विधान परिषदों की नौ सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव होंगे, और एक सीट के लिए उपचुनाव होगा। कर्नाटक में, विधान परिषद की सात सीटों के लिए चुनाव होंगे।

पुणे जहरीली शराब ...

गई है। इस कथित जहरीली शराब मामले में अब तक कुल 18 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोगों का इलाज जारी है। इस मामले की गहन छानबीन राज्य क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की टीम कर रही है। सूत्रों के अनुसार पुणे ग्रामीण पुलिस मुख्यालय के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने अवैध तरीके से बेची जा रही जहरीली देशी शराब पर कार्रवाई न करने पर आज चार और पुलिस कर्मियों को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। इन निलंबित पुलिसकर्मियों में दौंड डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफिस के सुभाष दोईफोडे, उरुली कंचन पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल अजीत शिवाजी काले और यवत पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल सुमित नंदकुमार वाघ और यवत पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल रामदास ज्ञानदेव जगताप शामिल हैं। जहरीली शराब मामले का आरोपित राधेश्याम प्रजापति उरुली कंचन इलाके का रहने वाला है और शुरुआती जांच में इन चारों पुलिस कर्मचारियों से उसके संपर्क होने की बात सामने आई है। इस बारे में बारामती डिवीजन के एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस की जांच में कहा गया है कि संबंधित कर्मचारियों का व्यवहार पुलिस बल के अनुशासन के लिए नुकसानदायक और बहुत संदिग्ध है। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर, महाराष्ट्र पुलिस एक्ट और महाराष्ट्र पुलिस नियमों के अनुसार इन चारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव दिया गया है। उन्हें सरकारी नौकरी से निलंबित कर दिया गया है। इस बीच, गवाहों को प्रभावित करने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, सस्पेंशन अवधि के दौरान इन सभी कर्मचारियों का हेडक्वार्टर पुणे ग्रामीण पुलिस हेडक्वार्टर तय किया गया है।

कांग्रेस कार्यालय में जमकर मारपीट, नुरुल हुदा पर हमले की कोशिश

नगांव (हिंस)। असम के डबका स्थित कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को उस समय भारी हंगामा और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विधायक नुरुल हुदा के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि जूते-चप्पलों के साथ उन पर हमला करने की कोशिश की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने नुरुल हुदा के वाहन पर भी हमला किया। कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। बताया गया है कि बिन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र को एजेपी (असम जातीय परिषद) के उम्मीदवार के लिए छोड़ने के फैसले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में लंबे समय से नाराजगी थी। इसी मुद्दे को लेकर कार्यकर्ताओं का आज गुस्सा फूट पड़ा। स्थिति को गंभीर होते देख नुरुल हुदा को राजीव भवन से जल्दबाजी में निकलना पड़ा।

नलबाड़ी में युवक की हत्या का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

नलबाड़ी (हिंस)। असम के नलबाड़ी जिले के गंगापुर में हुए हमले के मुख्य आरोपी रोज अली उर्फ आसिफ खान की सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों की बंदूक छीनकर उन पर गोलीबारी की थी। नलबाड़ी के पुलिस अधीक्षक विवेकानंद दास ने बताया कि रोज अली ने पुलिस की बंदूक छीनकर पुलिस दल पर चार से पांच राउंड गोलियां चलाईं। आत्मरक्षा और जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें एक गोली उसके सीने में लगी। इससे उसकी मौत हो गई। गंगापुर में हुए हमले में युवक माधुर्य बर्मन की मौत हो गई थी, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई थी। दोनों स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपितों ने

हमला किया था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि रोज अली लंबे समय से युवती को परेशान कर रहा था और विवाह का दबाव बना रहा था। साथ ही परिवार को लगातार धमकियां दे रहा था। इस घटना की अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने कड़ी निंदा करते हुए दोषी को कठोरतम सजा देने की मांग की थी। आसू अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा था कि हत्या के दोषियों को कानून के तहत कड़ी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दूसरी ओर इस घटना के विरोध में नलबाड़ी में सड़कों पर आसू कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शनकारियों ने माधुर्य बर्मन के हत्यारे को फांसी देने की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई। आसू कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवती तथा मृतक युवक की मां ने रोते हुए मीडिया के सामने आरोप लगाया कि रोज अली लंबे समय से उनकी बेटी से शादी करने के नाम पर परेशान कर रहा था। उन्होंने दावा किया कि आरोपी ने कई बार चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी और उन्हें तथा उनकी बेटी को भी नुकसान पहुंचाने की बात कही थी। युवती की मां के अनुसार, उनकी बेटी जब नौवीं कक्षा में पढ़ती थी तभी से रोज अली उसे परेशान कर रहा था। लगातार उत्पीड़न के कारण उसकी पढ़ाई प्रभावित हुई और वह मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रोज अली के माता-पिता ने मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराने के लिए उनसे अनुरोध किया था और उनके सामने हाथ जोड़कर गुहार लगाई थी। उल्लेखनीय है कि गंगापुर में हुई इस घटना में भाई की मौत हो गई, जबकि बहन गंभीर हालत में उपचाराधीन है।

कांग्रेस में रकीबुल का प्रभाव, पुत्र तंजिल हुसैन बने एपीवाईसी के उपाध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रकीबुल हुसैन के पुत्र एवं विधायक तंजिल हुसैन को असम प्रदेश युवा कांग्रेस (एपीवाईसी) का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद राज्य की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। तंजिल हुसैन की नियुक्ति को लेकर राजनीतिक हलकों में विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। आलोचकों का आरोप है कि यह फैसला कांग्रेस में परिवारवाद की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। इससे पहले भी तंजिल हुसैन के राजनीतिक उत्थान को लेकर विपक्षी दलों और कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने सवाल उठाए थे। विपक्षी दलों का कहना है कि कांग्रेस में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों को लेकर एक सीमित नेतृत्व समूह का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। कुछ नेताओं ने हालिया राजनीतिक नियुक्तियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि संगठन और विधानसभा में अहम जिम्मेदारियों के निर्धारण में पारदर्शिता का अभाव

दिखाई दे रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तंजिल हुसैन की नियुक्ति ने एक बार फिर कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र और नेतृत्व चयन की प्रक्रिया को लेकर बहस छेड़ दी है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इस विषय पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। तंजिल हुसैन के एपीवाईसी उपाध्यक्ष बनने के बाद राज्य की राजनीति में परिवारवाद बनाम संगठनात्मक नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

श्रीश्रीमाधवदेव की आविर्भाव तिथि पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के प्रिय शिष्य श्रीश्रीमाधवदेव की पावन आविर्भाव तिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन् करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि श्रीश्रीमाधवदेव ने भक्ति, मानवता और सामाजिक समरसता के अमृत संदेश के माध्यम से समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। उनके आदर्श, दर्शन और मूल्यबोध ने युगों-युगों तक समाज को आलोकित करेगा तथा लोगों को सद्भाव, करुणा और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि महापुरुष श्रीश्रीमाधवदेव ने अपनी आध्यात्मिक साधना और सामाजिक चिंतन के माध्यम से असम की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को समृद्ध बनाया। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे उनके महान आदर्शों को जीवन में अपनाकर सामाजिक सौहार्द, पारस्परिक सम्मान और मानव कल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ें।

पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास, गोली लगने से हुआ घायल

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप में 10 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने इस दौरान पुलिस पर फायर भी किया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी गोली लगने से घायल हो गया है। कामरूप जिला पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात गिरफ्तार किए गए आरोपी अक्कास अली को आज सुबह आगे की पूछताछ के लिए छयगांव ले जाया जा रहा था। रास्ते में कुकुरमारा नामक जगह पर आरोपी ने एक पुलिसकर्मी से बंदूक छीनी और गोली चलाने लगे। गोली पुलिस वाहन में लगी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और आरोपी के पैर में गोली मारकर उसे पकड़ लिया। घायल अवस्था में उसे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, जहरीले रसायन में डुबोकर रखी गई 15 बोरियां परवल जब्त

बरपेटा (हिंस)। जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बने एक मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बरपेटा रोड की थोक सब्जी मंडी में देर रात छापेमारी कर जहरीले रसायनों से उपचारित 15 बोरियां परवल जब्त की हैं। जानकारी के अनुसार, परवल को कथित रूप से विषैले रसायनों से मिश्रित पानी में डुबोकर रखा गया था। यह मामला तब सामने आया जब ऐसे परवलों का वीडियो और तस्वीरें सामने आईं, जिनमें उन्हें रासायनिक मिश्रण वाले पानी में रखा हुआ देखा गया। इस खुलासे के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन में चिंता बढ़ गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान उन परवलों को जब्त कर लिया, जिन्हें विभिन्न बाजारों में भेजने और निर्यात के लिए तैयार किया जा रहा था। विभाग ने मौके से 15 बोरियां परवल अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि खाद्य पदार्थों में हानिकारक रसायनों के उपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और थोक बाजारों में निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो बांग्लादेशी महिलाओं की पहचान, डिटेंशन कैंप भेजा गया

नगांव (हिंस)। असम के जूरिया क्षेत्र में दो महिलाओं को विदेशी न्यायाधिकरण (फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल) ने बांग्लादेशी नागरिक घोषित किया है। न्यायाधिकरण के आदेश के बाद दोनों महिलाओं को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर डिटेंशन कैंप भेज दिया गया। सोमवार को सामने आई जानकारी के अनुसार, ममताज बेगम और जहांआरा बेगम नामक दोनों महिलाएं सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने में असफल रहीं। इसके बाद विदेशी न्यायाधिकरण ने उन्हें विदेशी घोषित कर दिया और प्रशासन ने न्यायाधिकरण के निर्देशानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें डिटेंशन सेंटर में स्थानांतरित कर दिया। राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के बीच यह मामला सामने आया है। अधिकारियों ने बताया कि नागरिकता और अवैध प्रवासन से जुड़े मामलों में लागू कानूनी प्रावधानों के तहत न्यायाधिकरण के आदेश को क्रियान्वित किया गया। जूरिया क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर व्यापक चर्चा है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि विदेशी न्यायाधिकरण के निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए दोनों महिलाओं के खिलाफ आवश्यक कानूनी कदम उठाए गए हैं।

रंगिया में कलिता अल्पाइन जनजाति सम्मेलन ने मेधावी छात्रों का किया अभिनंदन

रंगिया (विभास)। अखिल असम कलिता अल्पाइन जनगोष्ठी सम्मेलन की रंगिया जिला समिति के तत्वावधान में रविवार को रंगिया में एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय हरदत्त-वीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में चालू वर्ष की हाईस्कूल और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समुदाय के दो सौ से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। रंगिया जिला समिति के अध्यक्ष राजेन कलिता की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के मुख्य सलाहकार डॉ. रमेन कुमार काकोती और सम्मानित अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक भवेश कलिता उपस्थित रहे। इससे पूर्व, सुबह कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष राजेन कलिता द्वारा ध्वजारोहण के साथ की गई। इसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष अनूप कुमार डेका, केंद्रीय संपादक मंटेश्वर कलिता

और रंगिया जिला समिति के महासचिव कुलदीप लहकर ने स्मृति तर्पण किया। वहीं, केंद्रीय समिति के प्रभारी महासचिव लबोधर कलिता और सचिव नितुल चंद्र डेका ने दीप प्रज्वलन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रतुल कुमार कलिता, जाने-माने चिकित्सक डॉ. नीलमणि कलिता, प्रधान प्राध्यापक नयन ज्योति दास तथा बोरिगोग आंचलिक पंचायत के अध्यक्ष करुणा डेका सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को पारंपरिक फुलाम गामोछा, समुदाय का वार्षिक कैलेंडर और अभिनंदन पत्र (प्रशस्ति पत्र) भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने ध्रुव कलिता, दिनेश कलिता के साथ-साथ जिला समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

कामरूप में मानव-हाथी संघर्ष निवारण उपायों की समीक्षा

जीवन और संपत्ति के नुकसान को घटाना मुख्य लक्ष्य

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के पलाशबाड़ी और बोको-छयगांव सहित सह-ज़िला क्षेत्रों में बढ़ती मानव-हाथी संघर्ष घटनाओं के संदर्भ में आज अमिनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। असम सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष मुख्य सचिव एम. के. यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पलाशबाड़ी के विधायक हिमांशु शेखर वैश्य उपस्थित रहे। साथ ही निम्न असम सामाजिक वनानीकरण चक्र के प्रभारी वन संरक्षणक सानीदेवो इंद्रदेव चौधुरी, कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजीत कुमार देव, पलाशबाड़ी सह-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बोको-छयगांव सह-जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुनम पेगू; चक्र के अधिकारीगण, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में मानव-हाथी संघर्ष प्रवण क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के साथ ही हाथियों के आक्रमण से होने वाली फसल क्षति, संपत्ति हानि और मानवीय जीवन के नुकसान को घटाने के लिए अपनाए जाने वाले विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा में पूर्व सूचना-चेतावनी प्रणाली को और सशक्त करने, वन विभाग, जिला प्रशासन

और स्थानीय जनता के बीच समन्वय बढ़ाने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा हाथियों की गतिविधि की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित उपाय अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा मानव-हाथी संघर्ष से प्रभावित लोगों को समय पर क्षतिपूर्ति प्रदान करने और आपातकालीन सहायता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। स्वागत भाषण में जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने कहा कि मानव-हाथी संघर्ष के कारण होने वाले जीवन और संपत्ति के नुकसान को यथासंभव कम करना जिला प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने यह भी बताया कि संघर्ष प्रवण क्षेत्रों में हाथियों के प्रवेश नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सोलर फैंसिंग स्थापित करने और पर्यवेक्षण टॉवर (वॉच टावर) निर्माण करने की योजना बनाई जा रही है।

राज्य का पहला हैवेल्स एक्सक्लूसिव फैन शोरूम *एयर गैलेरिया* नगांव में शुरू

नगांव ((निसं)। असम के उपभोक्ताओं के लिए एक नई और अनूठी खरीदारी अवधारणा लेकर आए राज्य के पहला हैवेल्स एक्सक्लूसिव फैन शोरूम *एयर गैलेरिया* का भव्य उद्घाटन रविवार को हैबरगांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप संपन्न हुआ। यह शोरूम विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के आधुनिक, ऊर्जा-कुशल एवं डिजाइनर पंखों को समर्पित है, जो इसे असम में अपनी तरह का पहला प्रतिष्ठान बनाता है। कार्यक्रम का उद्घाटन नगांव के अतिरिक्त जिला आयुक्त मृदुल बोड़ो एवं हैवेल्स के ब्रांच मैनेजर संदीप फुकन ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला आयुक्त मृदुल बोड़ो ने इस नई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के विशिष्ट एवं आधुनिक व्यवसाय न केवल उपभोक्ताओं को बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं, बल्कि जिले

के आर्थिक विकास और व्यापारिक वातावरण को भी नई दिशा देते हैं। जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, उन्होंने शोरूम के संचालक संजय गाड़ोदिया को फोन पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस नए उद्यम की सफलता की कामना की। उद्घाटन समारोह में व्यापार, सामाजिक एवं जनजीवन से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें पूर्व विधायक गिरिन्द्र बरुवा, पीबीसी के स्वामी देवेंद्र सिंह सेहमी, अच्युत समूह से सांवरमल खेतावत, नगांव चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव नानू दास, शंकर मिशन के सचिव प्राण महंता, लायंस डिस्ट्रिक्ट 322ष्ठ के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ललित कोठारी तथा मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष प्रमोद कोठारी एवं हैवेल्स कंपनी के तमाम लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण अवसर को कवर करने के लिए जिले के विभिन्न प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जन-ध्यान प्राप्त हुआ। उद्घाटन के दौरान तथा पूरे दिन शहरवासियों और ग्राहकों में इस अनूठे शोरूम को लेकर विशेष उत्सुकता देखने को मिली। जैसे ही लोगों को यह जानकारी मिली कि यह असम का पहला एक्सक्लूसिव फैन शोरूम है, बड़ी संख्या में लोग शोरूम का अवलोकन करने पहुंचे। आधुनिक डिजाइन, विविध मॉडल और एक ही छत के नीचे उपलब्ध विस्तृत श्रृंखला ने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। शोरूम के संचालक संजय गाड़ोदिया ने उपस्थित अतिथियों, शुभचिंतकों, ग्राहकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को पंखों की दुनिया में एक नया अनुभव प्रदान करना है, जहां गुणवत्ता, डिजाइन और तकनीक का उत्कृष्ट संगम उपलब्ध हो। उद्घाटन समारोह के उपरांत विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थानों तथा जिले के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इस नए उद्यम की सफलता की कामना की। असम में अपनी तरह की इस पहली पहल ने न केवल व्यापारिक जगत का ध्यान आकर्षित किया है, बल्कि उपभोक्ताओं के बीच भी यह चर्चा का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि *एयर गैलेरिया* आने वाले समय में घरेलू एवं प्रीमियम फैन सेगमेंट के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरेगा।

धुबड़ी के धोराघाट में विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर तैयारियां शुरू

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिला कल्पतरु और जिया एंटरप्राइज की सौजन्य से धुबड़ी के धोराघाट हरि मंदिर प्रांगण में भव्य रूप से विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की तैयारी चल रही है। इस दौरान आज कल्पतरु धुबड़ी संगठन के अध्यक्ष सुब्रत सिंह चौधरी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस वर्ष धोराघाट हरि मंदिर प्रांगण में स्थित 400 वर्ष पुराने बरगद के पेड़ के नीचे भव्य रूप 53वां विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आधार स्तंभ स्थापित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से हर साल की तरह इस बार भी लोगों के बीच पर्यावरण के रूप में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस बार आयोजित कार्यक्रम में लगभग 5000 विभिन्न प्रजातियों के पौधे वितरण किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में धुबड़ी जिला वन अधिकारी सहित कई वरिष्ठ व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

बंगाईगांव : मारवाड़ी युवा मंच और जागृति शाखा का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बंगाईगांव। स्थानीय मारवाड़ी युवा सेवा भवन में रविवार को मारवाड़ी युवा मंच, एवं जागृति शाखा द्वारा सत्र 2026-27 के लिए एक भव्य शपथ विधि समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय महासचिव मोहित नाहटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह के शुरुआत से ठीक पहले मारवाड़ी युवा मंच भवन के निचले तल्ले पर स्थित पुराने रसोईघर के पुनर्निर्माण एवं आधुनिकीकरण के बाद तैयार हुए नवीन रसोईघर का उद्घाटन समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका के कर-कमलों द्वारा रिबन काटकर संपन्न हुआ। इसके पश्चात मुख्य समारोह का आगाज अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंच पर मुख्य अतिथि श्री मोहित नाहटा के साथ दोनों शाखाओं के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद अग्रवाला व दीपाली अग्रवाल, सचिव धीरज शर्मा तथा वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका को मंचासीन कराया गया।। बंगाईगांव जागृति शाखा के सदस्यों ने अत्यंत सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर आगंतुकों का अभिनंदन किया। परंपरा के अनुसार, सभा में उपस्थित सभी अतिथियों, सलाहकारों, पूर्व

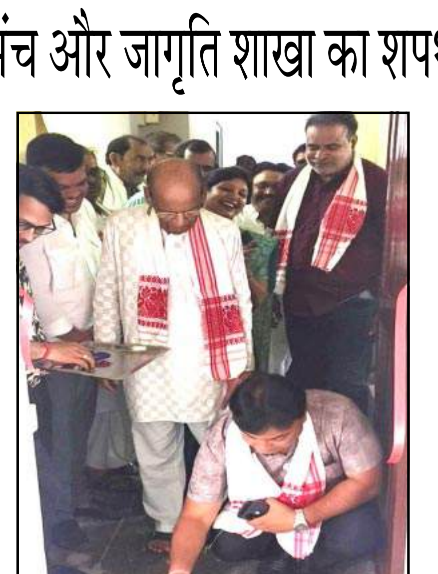

अध्यक्षों, स्थायी आमंत्रित सदस्यों तथा समाज के विशिष्ट महानुभावों को *फुलाम गमछा* पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में दोनों शाखाओं के पूर्व सचिवों धीरज शर्मा तथा दीपाली अग्रवाल ने गत वर्ष का विस्तृत सचिव प्रतिवेदन सभा के सामने प्रस्तुत किया, जिसमें पिछले सत्र में किए गए सामाजिक व जनहित के कार्यों का लेखा-जोखा दिया गया। समारोह के मुख्य आकर्षण शपथ विधि समारोह के दौरान मुख्य अतिथि मोहित नाहटा ने मारवाड़ी युवा मंच तथा जागृति शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष क्रमशः गोविंद अग्रवाला व दीपाली अग्रवाल को शपथ दिलाई। इसके साथ ही दोनों शाखाओं के सचिव क्रमशः धीरज शर्मा तथा आयुषी बंसल को भी पदभार की शपथ ग्रहण कराई गई। इन मुख्य पदाधिकारियों के अलावा दोनों शाखाओं की नई कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों को भी समाज सेवा और संगठन के प्रति कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव मोहित नाहटा ने अपने संबोधन में दोनों शाखाओं की नई टीम को बधाई दी। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर मंच द्वारा संचालित किए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। नाहटा ने संगठन की मजबूती और समाज निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। इस पूरे गरिमापूर्ण कार्यक्रम का संचालन सचिव धीरज शर्मा ने किया। समारोह में दोनों ही शाखाओं के सदस्य, मातृशक्ति और स्थानीय प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रंगिया : पारिवारिक विवाद में पति ने अपने ही घर को फूंक डाला

रंगिया (विभास)। रंगिया के बंगालीकुची इलाके में पारिवारिक कलह के चलते एक व्यक्ति द्वारा अपने ही घर में आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी की पहचान संजय बोड़ो उर्फ चांगा के रूप में हुई है। उसका अपनी पत्नी या परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर गंभीर विवाद चल रहा था। इसी घरेलू झगड़े से तैश में आकर संजय ने यह आत्मघाती और खौफनाक कदम उठाया। अग्निकांड में घर पूरी तरह जलकर गया और भारी नुकसान की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

सांसद पर भीड़ का हमला

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर, चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सड़कों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन यह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए, लेकिन भारत में सब कुछ उलट ही होता है। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश को प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है? तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया। पिछले चुनाव में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमले किए गए। आज एक और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया। यह कैसा लोकतंत्र है? ये हरकतें क्या दर्शाती हैं? बंगाल में अब भाजपा की सरकार है और सुवेन्दु अधिकारी मुख्यमंत्री हैं। वह बहुत तेजी से व्यवस्था बदलने में जुटे हैं। कई सांप्रदायिक बदलाव भी किए गए हैं। बांग्लादेश सीमा पर 600 किमी से ज्यादा लंबी बाड़बंदी होगी। उसके लिए बीएसएफ को जमीन दी जा चुकी है। माहौल हिंदुत्व का है। जिस भीड़ ने अभिषेक पर हमला किया, उसमें से 'जय सिया राम' की आवाजें भी बुलंद थीं। धर्म चाहिए अथवा बुनियादी ढांचा दुरुस्त होना चाहिए? अच्छा है कि नई सरकार आने के बाद कथित घुसपैठिए, बांग्लादेशी बॉर्डर तक भाग रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान काम नहीं है, जितना दिखाया जा रहा है। सवाल यह है कि सांसद की सुरक्षा का दायित्व अब किसका है? राज्य सरकार ने अभिषेक की जेड सुरक्षा छीन ली। यह सरकार का अपना मूल्यांकन होगा, लेकिन सांसद के साथ जब मारी-पीटी की जा रही थी, तब एक भी पुलिसिया चेहरा दिखाई नहीं दिया। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल के जवान वाहनों में तुरत-फुरत आए और सांसद को निकाल कर ले गए।

सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सड़कों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है।

अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है

कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती

हाल ही में 29 मई को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश की धडकन माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। स्पष्ट है कि अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे फसलों की प्लानिंग और किसानों की कमाई प्रभावित होगी। यदि हम देश में पिछले कमजोर मानसूनों और अलनीनों के प्रभाव का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि सामान्य से कम मानसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। वस्तुतः जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मानसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मानसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में

मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं।

मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर अभी से कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढना होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। हमें कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमरीका संकट के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हमें गेहूं के निर्धारित निर्यात आदेशों की पूर्ति के साथ गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुआई शुरू होने से पहले ही देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं और मौसम विभाग के ताजा अनुमानों ने संकेत दिए हैं कि देश के कई हिस्सों में इस बार पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। ऐसे में अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार को रणनीतिपूर्वक आगे बढना होगा। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1 जून 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत आगे बढने की रणनीति बनाई भी है। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह (क्रॉप-स्पेसिफिक एडवाइजरी) दी जाएगी ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फैसला ले सकें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सिर्फ जानकारी बांटना नहीं है, बल्कि जमीन पर जाकर किसानों को यह बताना है कि उन्हें कम बारिश या सूखे के खतरे वाले इलाकों में कौनसी फसल बोनी चाहिए, किस फसल की तरफ बदलाव करना चाहिए और उनके पास पारंपरिक खेती के क्या बेहतर विकल्प मौजूद हैं। किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से व्यावहारिक गाइडेंस दी जाएगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बड़े संकट से निपटने के लिए सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। देश के कोने-कोने तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए 1600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। इनमें से 500 टीमें विशेष रूप से देश के उन 100 जिलों में तैनात की जाएंगी, जहां रासायनिक खादों की खपत सबसे ज्यादा है। इस अभियान के जरिए सरकार अपनी अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सीधे किसानों तक पहुंचाएगी। टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोडक़र जागरूकता फैलाई जाएगी। उम्मीद करें कि सरकार इस वर्ष 2026 में राष्ट्रीय और वैश्विक मौसम अनुमानों में भारत के लिए बताए गए कमजोर मानसून, अलनीनो और कृषि की बढ़ी हुई लागत संबंधी चुनौतियों से निपटेगी।

देश | दुनीया से

संपत्ति की भूख और बिखरते रिश्ते

हरियाणा की धरती को लंबे समय तक पारिवारिक प्रेम, भाईचारे और संयुक्त परिवारों की संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। गांवों की चौपालों में रिश्तों की गर्माहट दिखाई देती थी। परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं था, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा और सम्मान का आधार माना जाता था। दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची और भाई-बहन मिलकर एक ऐसी सामाजिक संरचना बनाते थे, जहाँ व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। परिवार की खुशियाँ सामूहिक होती थीं और दुख भी मिलकर सहन किए जाते थे। खेतों में मेहनत से लेकर घर के निर्णयों तक, सब कुछ साझेपन की भावना से चलता था। उस समय यह कल्पना भी कठिन थी कि कोई व्यक्ति संपत्ति के लिए अपने ही परिवार के सदस्य का दुश्मन बन सकता है। लेकिन बदलते समय के साथ समाज की तस्वीर तेजी से बदली है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा, शहरीकरण, बढ़ती भौतिक इच्छाएँ और उपभोक्तावादी सोच ने रिश्तों की आत्मीयता को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया है। अब वही परिवार, जो कभी प्रेम और सहयोग की मिसाल होते थे, संपत्ति और पैसों के विवादों में टूटते दिखाई दे रहे हैं। जमीन का छोटा-सा टुकड़ा, विरासत का हिस्सा या पैसों का लेन-देन कई बार ऐसे संघर्षों को जन्म दे रहा है, जिनका अंत हिंसा और हत्या तक पहुँच रहा है। आज हरियाणा ही नहीं, पूरे देश में ऐसे समाचार लगातार सामने आते हैं, जहाँ भाई ने भाई की हत्या कर दी, बेटे ने पिता पर हमला कर दिया या चाचा-भतीजे के रिश्ते खून से रंग गए। यह घटनाएँ केवल अपराध नहीं हैं, बल्कि समाज के भीतर बढ़ते नैतिक पतन का संकेत हैं। परिवारों के भीतर बढ़ती यह हिंसा बताती है कि धन और संपत्ति अब रिश्तों से अधिक महत्वपूर्ण मानी जाने लगी है। हरियाणा जैसे राज्यों में जमीन केवल खेती का साधन नहीं रही। शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के कारण जमीनों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। जिन खेतों की कीमत कभी सामान्य थी, वे आज करोड़ों रुपये की संपत्ति बन चुके हैं। यही आर्थिक परिवर्तन कई परिवारों के भीतर तनाव का कारण बन रहा है। पहले जिस जमीन को परिवार मिलकर जोतता

था, अब उसी जमीन के बंटवारे को लेकर भाई-भाई अदालतों में लड़ रहे हैं। कई मामलों में यह विवाद कानूनी सीमाओं को पार कर हिंसक रूप ले लेते हैं। संयुक्त परिवारों के टूटने ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। पहले परिवार में बड़े-बुजुर्ग मध्यस्थ की भूमिका निभाते थे। यदि किसी बात को लेकर विवाद होता, तो परिवार के सम्मानित सदस्य बैठकर समाधान निकाल लेते थे। उनकी बात को अंतिम माना जाता था। लेकिन अब एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है। परिवार छोटे होते गए और संवाद भी कम होता गया। जब परिवार के सदस्य अलग-अलग रहने लगे, तब उनके बीच भावनात्मक दूरी भी बढ़ी। यही दूरी कई बार अविश्वास और स्वार्थ को जन्म देती है। आधुनिक समाज में व्यक्ति की सफलता को उसकी आर्थिक स्थिति से मापा जाने लगा है। बड़ा घर, महंगी गाड़ी और अधिक संपत्ति आज सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुके हैं। सोशल मीडिया और बाजारवादी संस्कृति ने इस सोच को और मजबूत किया है। हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने की दौड़ में शामिल दिखाई देता है। इस दौड़ में रिश्तों की संवेदनशीलता पीछे छूटती जा रही है। व्यक्ति अपने परिवार को सहयोगी के बजाय हिस्सेदार और प्रतिस्पर्धी की तरह देखने लगा है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो संपत्ति विवाद केवल आर्थिक संघर्ष नहीं होते। इनके पीछे असुरक्षा, अहंकार, तुलना और अधिकार की भावना भी काम करती है। कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, उसे कम हिस्सा मिला है या परिवार में उसकी उपेक्षा हुई है। यही भावनाएँ धीरे-धीरे क्रोध और हिंसा में बदल जाती हैं। परिवार के भीतर वर्षों से दबा तनाव किसी छोटे विवाद के समय विस्फोटक रूप ले लेता है। भारतीय समाज में पुरुष प्रधान मानसिकता भी इन विवादों को बढ़ाने में भूमिका निभाती है। संपत्ति को लेकर बेटों के बीच प्रतिस्पर्धा अधिक देखने को मिलती है। कई बार माता-पिता भी अनजाने में बच्चों के बीच भेदभाव कर देते हैं। किसी एक बेटे को अधिक महत्व देना या संपत्ति के बंटवारे में असमानता बरतना भविष्य के संघर्षों की नींव बन जाता है। यह तनाव वर्षों तक भीतर जमा रहता है और बाद में बड़े विवाद का कारण बनता है। आज अदालतों में संपत्ति विवादों के लाखों मामले लंबित हैं। परिवार वर्षों तक कानूनी लड़ाइयों में उलझे रहते हैं। मुकदमों में समय, पैसा और मानसिक शांति सब नष्ट हो जाते हैं। अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते रिश्तों में इतनी कड़वाहट भर जाती है कि मेल-मिलाप की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। कई बार तो अगली पीढ़ियाँ भी इस दुश्मनी को विरासत की तरह ढोने लगती हैं। विडंबना यह है कि जिस संपत्ति के लिए लोग अपने रिश्तों को नष्ट कर देते हैं, वही संपत्ति अंततः उन्हें मानसिक शांति नहीं दे पाती। धन सुविधाएँ दे सकता है, लेकिन वह आत्मीयता और विश्वास नहीं दे सकता। जिन भाइयों ने बचपन साथ खेलते हुए बिताया, वे एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। जिन माता-पिता ने बच्चों को पालने-पोसने में पूरा जीवन लगा दिया, वही वृद्धावस्था में अपने ही बच्चों के बीच असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। यह स्थिति केवल पारिवारिक संकट नहीं, बल्कि सामाजिक त्रासदी है। ग्रामीण समाज में यह समस्या और अधिक जटिल इसलिए हो गई है क्योंकि वहाँ जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है।

कुछ | अलग

सरकारी टोंटी चोरी

पुलिस ने सरकारी कार्यालय से गुम हुईं टोंटियां क्या खोजी, आधे शहर को विश्वास हो गया कि इस तरह अब खोज बढ़ी तो कई चोरियां सामने आ जाएंगी। पुलिस ने बाकायदा प्रेस वार्ता करके बताया कि टोंटियां ढूंढना कितना खतरनाक अभियान है। एक टोंटी सरकारी और ऊपर से इसकी शक्ल सूरत ऐसी कि ढूंढे न मिले। सरकारी कार्यालयों में भले ही कुछ दिखाई न दे, लेकिन इसे गुम होना नहीं माना जा सकता। सरकारी कार्यालयों में दरअसल चोरी नहीं होती, बल्कि सामान, समय और कार्य खिसक जाता है। वैसे आज तक किसी कार्यालय के नलकों ने आम जनता को पानी ही नहीं पिलाया, तो टोंटियां खोने से हमें क्या फर्क पड़ता। हमें तो सरकारी बसों के रुकने तक का फर्क नहीं पड़ता। लोग बाग सरकारी जमीनें चुरा लेते, तो यह सामान और सामग्री का क्या। सरकारी कर्मचारियों के बच्चे दरअसल उसने होमवर्क के लिए दफ्तर के कागज और पेन-पेंसिल के काबिल कब बन गए, यह उन्हें पता ही नहीं चलता। खैर पुलिस वार्ता में दर्जनों टोंटियां प्रदर्शित थीं। कुछ लंबी गर्दन वाली, कुछ ठिगनी, कुछ चमकदार, कुछ घिसी हुई और कुछ टूटी हुईं। एक पत्रकार ने पूछ लिया, 'जनाब! यह कैसे साबित करेंगे कि टोंटी डीसी आफिस से चोरी हुई या एसपी कार्यालय से। इन्हीं कार्यालयों से ही नहीं, कमोबेश हर दफ्तर से टोंटियां गायब हुई हैं।' टोंटियों ने पुलिस विभाग का आत्मविश्वास इतना बढ़ा दिया था कि उसने यकीन से कहा कि ये हैं तो डीसी आफिस की ही। पत्रकार ने फिर पूछ लिया, 'क्या डीसी आफिस ने इनकी पहचान कर ली है।'

आप का | नजरीया

ये सहज चुनाव नहीं

नगर निगमों के दर्पण में सत्ता बनाम विपक्ष के बीच चुनाव ने अपना रेखांकन कर दिया और इस तरह भाजपा ने शहरी मतदाता के सामने अपनी सफल यात्रा का वर्णन किया है। धर्मशाला, मंडी व सोलन में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस ने अपना जलवा दिखाया, तो इस अंकगणित में कई बड़े नेताओं की असफलताओं का ठीकरा फूटा है। पालमपुर में भाजपा की तमाम शर्तें, वादे और तैयारियां धराशायी हुईं, तो यह मानना पड़ेगा कि बुटेल परिवार के संपर्क और साधना कारगर साबित हुई। बतौर विधायक आशीष बुटेल ने विधानसभा का आधा चुनाव जेब में डाल लिया है। एक बार फिर भाजपा के अनार ने कई नेताओं को बिमारू घोषित कर दिया। पालमपुर की कसमों-वादों पर भाजपा के तमाम बड़े नेता औंधे मुंह गिरे हैं। कभी राष्ट्रीय फलक के सितारे रहे शांता कुमार सरीखे नेता भी अब पालमपुर परिक्रमा से बेदखल हो रहे हैं, तो राजनीतिक खजाने में विपिन सिंह परमार, त्रिलोक कपूर, इंदु गोस्वामी तथा अपनी-अपनी मुद्राओं के माहिर कई नेताओं को आत्मचिंतन कर लेना चाहिए। कांगड़ा के दूसरे नगर निगम धर्मशाला की सौगात कांग्रेस को नहीं मिली, तो यहां के संदेश सत्तारूढ़ दल को पढ़ लेने चाहिए। सत्ता की लावारिस गलियों तथा आवारा हालात तक पहुंचे धर्मशाला शहर की ये सिसकियां हैं या श्राप हैं, जो कांग्रेस को मिले। जाहिर है जो शहर प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी, स्मार्ट सिटी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, इवेंट सिटी और शिक्षा का हब बना मुस्करा रहा था, उसके छिलके उतर गए, तो यह सहज चुनाव नहीं था। बेशक स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का कांग्रेस से उतर कर भाजपा का दामन थामना, सत्ता पक्ष की धमनियों को रंजिश से भर गया, लेकिन इसके प्रकोप में शहर का गुम हो जाना सही नहीं था। यहां सबसे बड़ी टीस केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की रही, तो कई परियोजनाओं की लेटलतीफी के बहाने चुभते रहे। जाहिर है यहां कांग्रेस की सही नेतृत्व की खोज पूरी नहीं हुई, तो भाजपा के पाले में सुधीर शर्मा ने बता दिया कि उसके प्रशंसक राजनीति से परे भी हैं। नेताओं का दर्पण मंडी में देखा गया, तो मेरी मंडी-मेरी हस्ती के तिलक पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के घोड़े ऐसे दौड़े कि वह चक्रवर्ती साबित हुए। भाजपा के भीतर कितने भी धड़े हों, मगर मंडी में पार्टी का संप्रदाय खड़ा करके जयराम ठाकुर अपनी बुलंद तस्वीर पेश करते हैं। कुछ इसी तरह के हालात पैदा करते हुए पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल शिरोमणि बन जाते हैं। सोलन नगर निगम की आस्था बटोर कर बिंदल के पक्ष में हुआ जयघोष बताता है कि यह शख्स पार्टी की कमान को सशक्त बनाने की मशीनरी है। इसी परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस के अध्यक्ष विनय कुमार के लिए शहरों की राजनीति को मापना अभी उनकी परीक्षा ले रहा है। शहरी वकालत की राजनीति में पढ़े लिखे वर्ग का काफी दखल रहता है, इसलिए आगे चल कर शिमला, हमीरपुर, ऊना और बद्दी नगर निगमों के जब चुनाव होंगे, तो राजनीतिक परिस्थितियां और स्पष्ट होंगी। जाहिर तौर पर भाजपा की मशीनरी के सामने, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में एकजुटता, अनुशासन, उत्साह और निरंतरता के सबक लेने की जरूरत है। भाजपा के लिए पालमपुर एक दुखती रग है, तो वहां नेताओं की भीड़ को पार्टी के सांचे में फिट करने की जरूरत भी है।

धर्मशाला, मंडी व सोलन में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस ने अपना जलवा दिखाया, तो इस अंकगणित में कई बड़े नेताओं की असफलताओं का ठीकरा फूटा है। पालमपुर में भाजपा की तमाम शर्तें, वादे और तैयारियां धराशायी हुईं, तो यह मानना पड़ेगा कि बुटेल परिवार के संपर्क और साधना कारगर साबित हुई। बतौर विधायक आशीष बुटेल ने विधानसभा का आधा चुनाव जेब में डाल लिया है। एक बार फिर भाजपा के अनार ने कई नेताओं को बिमारू घोषित कर दिया। पालमपुर की कसमों-वादों पर भाजपा के तमाम बड़े नेता औंधे मुंह गिरे हैं। कभी राष्ट्रीय फलक के सितारे रहे शांता कुमार सरीखे नेता भी अब पालमपुर परिक्रमा से बेदखल हो रहे हैं, तो राजनीतिक खजाने में विपिन सिंह परमार, त्रिलोक कपूर, इंदु गोस्वामी तथा अपनी-अपनी मुद्राओं के माहिर कई नेताओं को आत्मचिंतन कर लेना चाहिए। कांगड़ा के दूसरे नगर निगम धर्मशाला की सौगात कांग्रेस को नहीं मिली, तो यहां के संदेश सत्तारूढ़ दल को पढ़ लेने चाहिए। सत्ता की लावारिस गलियों तथा आवारा हालात तक पहुंचे धर्मशाला शहर की ये सिसकियां हैं या श्राप हैं, जो कांग्रेस को मिले। जाहिर है जो शहर प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी, स्मार्ट सिटी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, इवेंट सिटी और शिक्षा का हब बना मुस्करा रहा था, उसके छिलके उतर गए, तो यह सहज चुनाव नहीं था। बेशक स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का कांग्रेस से उतर कर भाजपा का दामन थामना, सत्ता पक्ष की धमनियों को रंजिश से भर गया, लेकिन इसके प्रकोप में शहर का गुम हो जाना सही नहीं था। यहां सबसे बड़ी टीस केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की रही, तो कई परियोजनाओं की लेटलतीफी के बहाने चुभते रहे।

दृष्टि | कोण

पेट्रोल के बढ़ते भाव

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है—पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को केवल एक आर्थिक घटना मानना पर्याप्त नहीं है। यह एक सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक—तीनों से जुड़ा हुआ है। भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है, बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है। वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक

परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है, लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीज़ल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्तपोषण में किया जाता है। लेकिन दूसरी ओर यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है।

गाय राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं : योगी

बिजनौर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन मां और संतान के रिश्ते को किसी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और वह आस्था तथा संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वालों की बुद्धि भ्रष्ट हो गयी है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को बिजनौर जनपद के आलमपुर गांवड़ी में जमीन का अधिकार देने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।इस मौके पर उन्होंने पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों एवं लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र प्रदान किए। भूमिधरी अधिकार मिलने से लाभार्थियों को भूमि पर वैधानिक स्वामित्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर उन्होंने जिले को विकास की सौगात देते हुए करोडों रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने गौ संरक्षण, कानून व्यवस्था, विकास योजनाओं और शरणार्थी परिवारों के मुद्दों पर सीधे जनता से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि वह 4 वर्ष पहले यहां के पूर्व सांसद सर्वेश कुमार के साथ सभा की थी, लेकिन आज वे हमारे बीच नहीं हैं, पर उनके पुत्र और यहां के विधायक सुशांत सिंह जनता की सेवा कर रहे हैं। इस क्षेत्र में हमने पाकिस्तान से आए विस्थापितों को उनके जमीनी अधिकार सौपें हैं, जो 1947-48 में कट्टरपंथी पाकिस्तानियों ने उनकी संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया था, उन्हीं विस्थापितों को आज कृषि भूमिका मालिकाना हक प्रधान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो विस्थापित शेष बचे हैं, उनको अगले चरण में जमीन का मालिकाना हक देने का काम भी करेंगे 7 मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुछ मुल्ला व मौलवी गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि गाय हमारी माता है। जन्म जन्मान्तर का नाता है। मां पुत्र के बीच में कुछ घोषणा की आवश्यकता होती है क्या? तुम्हारी सोच ही पशुवत है, जो तुम माता को पशु कहते हो। गाय हमारी माता है। यह हमारे संस्कार में है। बकरीद पर हमने खुद देखा की बहुत से बधाई देने में गौ माता का चित्र लगा रहे थे। उन्हें जानकारी होनी चाहिए कि गौ वध पर क्या सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री ने गाय तो स्वघोषित राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। इसी प्रकार गंगा भी हमारी माता है। हमारे सारे संस्कार गंगा के सानिध्य में ही संपन्न होते हैं। क्या यह कोई बताने की आवश्यकता है की गंगा हमारी मां है। मुख्यमंत्री ने कट्टरपंथियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पाकिस्तान से आए विस्थापितों के बारे में आज तक किसी मौलवी ने कोई भी आवाज नहीं उठाई, जबकि कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान में हिंदुओं की संपत्तियों पर कब्जा किया। यहां हिंदुस्तान में भी वक्फ के नाम पर संपत्ति पर कब्जा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 6 महीने पहले बांग्लादेश में हिंदुओं का कतलेआम किया गया, पर हमारे देश के किसी मौलवी ने कोई आवाज नहीं उठायी। आज बांग्लादेश में हिंदू 22 से घटकर केवल 7 फीसदी रह गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में 14 से घटकर मात्र दो प्रतिशत रह गया यह मौलवी कभी भी बांग्लादेश-पाकिस्तान की कोई निंदा नहीं करते। मुख्यमंत्री ने सरकार की सजगता को भी बताते हुए कहा कि हम पहले से ही माहौल देखकर सतर्क है। इसीलिए रामनवमी, शिवरात्रि, होली व दिवाली जैसे पर्व शांतिपूर्वक मनाये जा रहे हैं, अन्यथा पहले दुर्गा पूजा, कांवड़ यात्रा सपना जैसे हो गए थे। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि उनके शासन में बेटी स्कूल -कॉलेज नहीं जा पा रही थीं और व्यापारी भी सुरक्षित नहीं थे। मुख्यमंत्री योगी ने हाल ही में गाजियाबाद मर्डर का उल्लेख करते हुए कहा कि आपने दोस्ती का माहौल देख लिया होगा कि दोस्ती की आड़ में कैसे खत्म किया जाता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल और पाकिस्तान से आए विस्थापित हिंदुओं, बौद्धों व सिखों को यहां का नागरिक अधिकार देने का बिल पास कराया। फलस्वरुप आज हम ऐसे लोगों को भी कानूनी रूप से कृषि भूमि का मालिकाना हक दे पा रहे हैं। इस कानून को बनाए जाने के समय कांग्रेस ने इसका विरोध किया था, पर वहीं कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठिए को यहां बसने के लिए जोर लगाती है। भारत का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग के साथ यह गलबाहियां करके चुनाव लड़ते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और स्वयं सहायता समूहों से जुड़े लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, डेमो चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। विभिन्न विभागों के चयनित 11 प्रेरणादायी लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के संचालित विदुर प्रेरणा कैफे सहित अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

जनता के बीच काम करने के बजाए अखिलेश यादव केवल ट्वीट और प्रेस कांफ्रेंस तक सीमित : ओम प्रकाश राजभर

आजमगढ़ (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को अतरौलिया में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजनीति जनता के बीच रहकर की जाती है, न कि एसी कमरों में बैठकर सोशल मीडिया चलाने से। राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के भीतर गुटबाजी और तानाशाही बढ़ रही है, जो उसके पतन का कारण बनेगी। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर हुए सपा के प्रदर्शन में दिखी आंतरिक खींचतान पार्टी की कमजोर स्थिति को दर्शाती है। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता जनता के बीच काम कर रहे थे, जबकि अखिलेश यादव केवल ट्वीट और प्रेस कांफ्रेंस तक सीमित हैं। अतरौलिया विधानसभा सीट को लेकर दिए गए बयान में राजभर ने कहा कि पिछड़े वर्ग का मजबूत प्रत्याशी उतारने की आवश्यकता है और राजभर-निषाद समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा मुठभेड़ पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में अपराधी खुलेआम घूमते थे और प्रदेश दंगों से प्रभावित रहता था, जबकि वर्तमान सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। राहुल गांधी के चुनाव और परीक्षा प्रक्रिया संबंधी बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने कहा कि ऐसे बयानों का अब कोई राजनीतिक महत्व नहीं रह गया है और केंद्र सरकार पूरी मजबूती के साथ देश सेवा में लगी हुई है।

जैसलमेर की मेहमाननवाजी से प्रभावित हुई टिफनी ट्रंप, विशेष विमान से जामनगर रवाना

जैसलमेर (हिंस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप और उनके पति माइकल बोलोस सोमवार सुबह जैसलमेर प्रवास पूरा कर विशेष चार्टर विमान से गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गए। जैसलमेर यात्रा के दौरान दोनों ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और लोक परंपराओं का करीब से अनुभव किया। सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोनों का काफिला जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट परिसर और बाहरी क्षेत्र में पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की विशेष तैनाती रही। इसके बाद विशेष चार्टर विमान से वे जामनगर के लिए रवाना हो गए। जैसलमेर प्रवास के दौरान टिफनी ट्रंप और माइकल बोलोस ने विश्व प्रसिद्ध जैसलमेर फोर्ट का भ्रमण किया। पीले पत्थरों से बने इस ऐतिहासिक किले की भव्य वास्तुकला और समृद्ध इतिहास ने दोनों को खासा प्रभावित किया। उन्होंने शहर के प्रसिद्ध सूर्यागढ़ जैसलमेर में ठहरकर राजस्थानी मेहमाननवाजी का अनुभव लिया। होटल में पारंपरिक अंदाज में उनका स्वागत किया गया, जहां लोक कलाकारों ने घूमर नृत्य और लोक संगीत की प्रस्तुति दी। टिफनी ट्रंप ने इस दौरान अपने मोबाइल फोन से घूमर नृत्य और लोक संगीत के वीडियो रिकॉर्ड किए और बाद में उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर साझा किया। टिफनी ट्रंप ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी और एक्स अकाउंट पर जैसलमेर यात्रा की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इनमें सोनार किले, सूर्यगढ़ होटल, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों और पारंपरिक स्वागत समारोह की झलक देखने को मिली। उन्होंने अपने पति माइकल बोलोस और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के साथ सेल्फी भी साझा की। अपनी पोस्ट में टिफनी ने सर्जियो गोर को अपना दोस्त बताया। भारत यात्रा के दौरान टिफनी ट्रंप ने दिल्ली के स्वामीनारायण अक्षरधाम, आगरा के ताजमहल और जैसलमेर के ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। रविवार रात जैसलमेर में उनके सम्मान में विशेष सांस्कृतिक संध्या और डिनर का आयोजन किया गया, जिसमें थार के लोक कलाकारों ने सूफी संगीत, कालबेलिया नृत्य और पारंपरिक लोकगीत प्रस्तुत किए।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, हर माह 10 तारीख तक पेंशन भुगतान सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सामाजिक सुरक्षा और जनकल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक माह की 10 तारीख तक राशि का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी गरीब, वृद्ध, दिव्यांग और अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों के जीवन को प्रभावित करती है, इसलिए इस व्यवस्था को पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ संचालित किया जाना चाहिए। सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित *संकल्प* में आयोजित समाज कल्याण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, सेवा वितरण व्यवस्था और लाभार्थियों तक योजनाओं की पहुंच का विस्तृत आकलन किया। बैठक में समाज कल्याण मंत्री श्वेता गुप्ता, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास की आधारशिला हैं। इसलिए इनके संचालन, उपस्थिति और सेवा वितरण की तकनीकी माध्यमों से नियमित एवं गहन निगरानी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका और सहायिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा लक्षित बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र जितने बेहतर ढंग से संचालित होंगे, बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास उतना ही बेहतर होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने की संभावनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की सहभागिता से आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सुविधाओं में सुधार लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान राज्य में बच्चों के बीच स्टंटिंग (अल्पविकसित वृद्धि) और वेस्टिंग (कुपोषण के कारण वजन में कमी) की स्थिति में सुधार लाने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि पोषण संबंधी सूचकांकों में सुधार के लिए विभाग को और अधिक सक्रियता से कार्य करना होगा।

उन्होंने निर्देश दिया कि पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाए तथा जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को मजबूत बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि *परवरिश योजना* सहित समाज कल्याण विभाग की अन्य योजनाओं के दायरे का विस्तार किया जाए ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को सरकारी सहायता का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाओं की पुनः समीक्षा की जाए तथा आवश्यकता के अनुसार लाभ राशि बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। समाज कल्याण विभाग के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने विभाग में रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध होने पर योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी में तेजी आएगी तथा लाभार्थियों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता और समयबद्ध निगरानी को महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य समाज के कमजोर, गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि जन कल्याण के कार्य पूरी संवेदनशीलता के साथ किए जाने चाहिए। जब योजनाओं का लाभ सही लोगों तक समय पर पहुंचता है, तब लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और सरकार के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।

12 साल के अनुभव वाले कानूनगो की तहसीलदार पद पर होगी तरक्की

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर प्रदेश की चुनाव मशीनरी को मजबूत करने के लिए चुनाव विभाग के सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले से लंबे समय से लटक रही प्रशासनिक बाधाएं दूर होंगी। मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुचारू और निर्बाध तरीके से संपन्न कराने में मदद मिलेगी और चुनावों से संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक स्टाफ सुनिश्चित करने हेतु खाली पड़े महत्वपूर्ण पदों को भरने का रास्ता साफ होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि मंत्रिमंडल ने चुनाव कानूनगो के पद से चुनाव तहसीलदार के रूप में पदोन्नति के लिए आवश्यक अनुभव को 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष करने को मंजूरी दे दी है।

हिमाचल एंट्री टैक्स के विरोध में प्रदर्शन, कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग जाम

चंडीगढ़ (हिंस)। हिमाचल प्रदेश में प्रस्तावित प्रवेश कर (एंट्री टैक्स) के विरोध में संघर्ष समिति के सदस्यों ने सोमवार को कीरतपुर साहिब-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध कर दिया। इस प्रदर्शन के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों, पर्यटकों तथा व्यापारिक वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। संघर्ष समिति का यह धरना सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे तक जारी रहा। यह प्रदर्शन पहले से घोषित उस राज्यव्यापी आंदोलन का हिस्सा है, जिसके तहत हिमाचल प्रदेश को पड़ोसी राज्यों से जोड़ने वाले 56 प्रवेश और निकास मार्गों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रदर्शन स्थल पर संघर्ष समिति के नेता गौरव राणा ने कहा कि जब तक हिमाचल प्रदेश सरकार प्रस्तावित प्रवेश कर को वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह कर जनविरोधी है और इससे व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, किसानों तथा पंजाब और हिमाचल के बीच नियमित रूप से आवाजाही करने वाले आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। राणा ने आरोप लगाया कि इस कर के लागू होने से परिवहन लागत बढ़ेगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आजीविका प्रभावित होगी, जो अपने रोजगार और व्यवसाय के लिए अंतरराज्यीय आवागमन पर निर्भर हैं। संघर्ष समिति के एक अन्य नेता ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चलाया जा रहा है और लोगों से इसका समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह केवल कर का मुद्दा नहीं है, बल्कि पंजाब और हिमाचल के हजारों परिवारों के सामाजिक और आर्थिक संबंधों से भी जुड़ा विषय है। उनके अनुसार प्रवेश कर लागू होने से व्यापार, पर्यटन और दैनिक आवाजाही पर नकारात्मक असर पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार प्रस्तावित प्रवेश कर को तत्काल प्रभाव से वापस ले। उनका कहना है कि इससे पर्यटन को नुकसान पहुंचेगा और सीमा पार व्यापार पर निर्भर उद्योगों और व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राजमार्ग जाम होने के कारण मनाली, बिलासपुर और कुल्लू जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाले पर्यटकों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहीं, पंजाब और हिमाचल के बीच सामान ढोने वाले व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित रही। कई यात्री घंटों तक सड़क पर फंसे रहे। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। समिति का दावा है कि पंजाब और हरियाणा से हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले कई अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक कार्य

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। राजस्थान सरकार के देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं *मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल* अभियान के प्रदेश संयोजक ओम प्रकाश भडाना सोमवार को चित्तौड़गढ़ जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अभियान को लेकर हुई बैठक को संबोधित किया। जिले में आगामी 5 से 21 जून तक चलने वाले *मोदी सरकार के 12 साल बेमिसाल* अभियान को लेकर चर्चा की। बैठक में अभियान के तहत जिले भर में होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी ओम प्रकाश भडाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी भी जिला स्तर पर लगाई जाएगी। भडाना ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम, योग शिविर, संगोष्ठियां एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी ने कहा कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगा तथा केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएगा। जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने बताया कि इस बैठक में जिला पदाधिकारियों के अलावा भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंजाब : लुधियाना में गैस लीक से तीन की मौत व दो की हालत गंभीर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना में रविवार की रात एक फैक्टरी में गैस लीक होने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्यों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बारे में पुलिस तथा सिविल प्रशासन को सोमवार की सुबह करीब 10 बजे सूचित किया गया। इसके बाद पुलिस तथा सिविल प्रशासन के अधिकारी फायर ब्रिगेड व एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंच गए। एफएसएल टीमों की रिपोर्ट के आधार पर गैस रिसाव का कारण पता लगाया जा रहा है। बताया गया कि लुधियाना में चाबी-पाने बनाने वाली एक कंपनी में सामान्य की भांति काम चल रहा था। बीती रात यहां अचानक पाइपलाइन से गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस का असर इतना तेज था कि वहां मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। दम घुटने और आंखों में तेज जलन के कारण कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर ही जमीन पर गिर पड़े। इस अफरा-तफरी में उद्योग में काम करने वाले मान सिंह और उनके बेटे अमित के अलावा एक अन्य कारीगर श्रीराम की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मान सिंह और अमित मशीन के नीचे निकलने वाली मिट्टी को ट्रॉली में भरने के लिए गए थे। इसी दौरान वे हादसे की चपेट में आ गए। एसडीएम जसलीन भुल्लर के अनुसार तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और दो घायलों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीमों की रिपोर्ट के आधार पर घटना के वास्तविक कारणों का पता लगेगा। एसडीएम के अनुसार यह फैक्टरी दीप टूल्स आरके रोड पर स्थित है। फिलहाल कंपनी को सील कर दिया गया है। अभी यह पता नहीं चला कि गैस कौन सी है। देखने में यह जरूर लग रहा है कि फैक्टरी के अंदर एक टैंक है। जहां पर कुछ केमिकल या अन्य चीजें स्टोर की गई हैं। पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड व नगर निगम की टीमें जांच करेंगे।

युवा जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है : अर्जुनराम मेघवाल

अजमेर (हिंस)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि युवा जैसा सोचता है, अंततः वैसा ही बन जाता है। सकारात्मक विचार, अनुशासन और श्रेष्ठ संगति ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें, उन्हें साकार करने के लिए कठिन परिश्रम करें तथा स्वामी विवेकानंद और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा ग्रहण करें। मेघवाल अजमेर के जवाहर रंगमंच में आयोजित *विलक्षण प्रतिभा सम्मान समारोह* को संबोधित कर रहे थे। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल एवं पहल जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित समारोह में राज्य एवं केंद्रीय शिक्षा बोर्डों की 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 520 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मेघवाल ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच व्यक्ति को श्रेष्ठता की ओर ले जाती है, जबकि नकारात्मकता निराशा को जन्म देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी क्षमता पर विश्वास रखने, अच्छे लोगों की संगति अपनाने तथा भारतीय जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने स्वयं नियमित रूप से साइकिल चलाने की बात कही तथा प्रकृति के निकट रहने को तनावमुक्त जीवन का आधार बताया। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और मितव्ययता भी आवश्यक हैं। प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करने का माध्यम भी है। उन्होंने युवाओं से मोबाइल एवं डिजिटल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विधायक अनिता भदेल ने बताया कि वर्ष 2022 में प्रारंभ किए गए इस सम्मान समारोह के माध्यम से अब तक 2,000 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और प्रोत्साहित करने की है। इस वर्ष 135 विद्यालयों से संपर्क कर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर 67 विद्यालयों के 520 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें मेडल, प्रमाण-पत्र एवं स्वामी विवेकानंद स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अतिक्रमण हटाने गई टीम से अभद्रता, नायब तहसीलदार को दी जान से मारने की धमकी

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले निंबाहेड़ा उपखंड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम से अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत बड़दा के अरनिया माली में आराजी नम्बर 589/489 पर कार्रवाई के दौरान अतिक्रमियों ने राज कार्य में बाधा डाली। ग्राम विकास अधिकारी की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निंबाहेड़ा कोतवाली थाने के एएसआई विश्वजीत ने बताया कि निम्बाहेडा कोतवाली थानाधिकारी को ग्राम विकास अधिकारी हीरालाल आचार्य ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उपखंड अधिकारी के मौखिक निर्देश पर 31 मई को अपरान्ह में टीम अतिक्रमण हटाने ग्राम अरनिया माली पहुंची थी। मौके पर 50 गुणा 44 एरिया से जेसीबी द्वारा अतिक्रमण हटाया जा रहा था। रिपोर्ट में बताया कि यहां अतिक्रमी मुन्नालाल, रोहित राठौड़, नरेंद्र राठौड़ व उनके परिवार के अन्य सदस्य हमसलाह होकर मौके पर आए। आरोपियों ने जमीन अधिग्रहण कर रहे राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों से गाली-गलौज व अभद्र भाषा का प्रयोग किया। मौके पर मौजूद विकास अधिकारी लक्ष्मणलाल खटीक, नायब तहसीलदार संतोष कुमार, पटवारी प्रेमसिंह और ग्राम विकास अधिकारी हीरालाल आचार्य को जान से मारने की धमकी दी और राज्य कार्य में बाधा पहुंचाई। इस पर प्रार्थी ने कोतवाली थाने पर रिपोर्ट दी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर राज कार्य में बाधा पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। अनुसंधान अधिकारी एएसआई विश्वजीत ने बताया कि पुलिस ने मामले में सोमवार को अनुसंधान शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जांच में ग्राम विकास अधिकारी ने बताया कि यह सरकारी भूमि थी। इसे विद्यालय के लिए आवंटन कर दिया गया था।

टाटा की ट्रेंट 10 गुना बड़ा बनने की राह पर, वैश्विक ब्रांड बनने का सपना

चेयरमैन नोएल टाटा ने कहा, असीमित संभावनाओं के साथ कंपनी अभी शुरुआती दौर में

नई दिल्ली

टाटा समूह की प्रमुख खुदरा कंपनी ट्रेंट लिमिटेड अपने विकास पथ पर एक महत्वाकांक्षी मोड़ पर खड़ी है। कंपनी के चेयरमैन नोएल एन. टाटा ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि तीव्र विस्तार के बावजूद, ट्रेंट अभी भी अपनी विकास यात्रा के शुरुआती चरण में है। उन्होंने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि कंपनी निकट भविष्य में राजस्व के मामले में 10 गुना बड़ी बनने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर लेगी और भारतीय ब्रांडों को वैश्विक स्तर पर ले जाने पर भी जोर दिया। यह घोषणा ट्रेंट की रणनीतिक दिशा और वैश्विक खुदरा क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी आकांक्षा को रेखांकित करती है। 10 गुना वृद्धि का लक्ष्य और वर्तमान प्रगति: नोएल टाटा ने अपने 2023 के शेयरधारक बैठक के वक्तव्य का स्मरण कराया, जहां उन्होंने ट्रेंट को राजस्व और लाभप्रदता के स्तर पर 10 गुना बड़ा बनाने की परिकल्पना की थी। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि तब से कंपनी की आय और लाभप्रदता की गति ढाई गुना से अधिक बढ़ चुकी है, जो इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रति उनके विश्वास को और मजबूत करती है। वित्त वर्ष 2025-26 में ट्रेंट का परिचालन राजस्व 19,701 करोड़ रुपये रहा है, जो इसकी प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने भारत के 321 शहरों में 1,286 स्टोरों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित किया है, जिसका कुल खुदरा क्षेत्रफल 1.77 करोड़ वर्ग फुट है, जो इसकी व्यापक पहुंच और परिचालन क्षमता का प्रमाण है। विशिष्ट ब्रांड प्रस्ताव और वैश्विक महत्वाकांक्षाएं: ट्रेंट की भविष्य की वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में विशिष्ट और स्पष्ट ब्रांड प्रस्ताव विकसित करने की उसकी रणनीति पर आधारित होगी। कंपनी के पोर्टफोलियो में पहले से ही फैशन एवं लाइफस्टाइल खुदरा श्रृंखला वेस्टसाइड, मूल्य-आधारित फैशन ब्रांड जूडियो और हाइपरमार्केट श्रृंखला स्टार बाजार जैसे सफल ब्रांड शामिल हैं। नोएल टाटा ने ट्रेंट की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं पर विशेष जोर दिया। उनका मानना है कि भारत में विकसित ऐसे ब्रांड तैयार करना अत्यंत संतोषजनक होगा जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक मजबूत पहचान बना सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी को विदेशी बाजारों से भी महत्वपूर्ण राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य रखना चाहिए, जो देश के मूल्य-वर्धित निर्यात बढ़ाने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है। टाटा ने कहा, हमें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, दृढ़ता के साथ उनका क्रियान्वयन करना चाहिए और भारत में विकसित ब्रांड की सफलता पर गर्व करना चाहिए। बहु-ब्रांड रणनीति और विकास का आधार: लगभग 25 वर्ष पहले बेंगलुरु के वाणिज्यिक क्षेत्र में वेस्टसाइड के पहले स्टोर के साथ शुरू हुई ट्रेंट की यात्रा आज 1,200 से अधिक स्टोर तक पहुंच चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय बाजार में हुंडई आरा सीएनजी कार तेजी से लोकप्रिय

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हुंडई मोटर इंडिया की हुंडई आरा सीएनजी कार तेजी से लोकप्रिय हो रही है। हुंडई आरा सीएनजी की बिक्री लगातार बढ़ रही है। कंपनी के अनुसार वित वर्ष 2026 के दौरान आरा सीएनजी की 62,612 यूनिट बिकीं। हर महीने इसकी 5000 से ज्यादा यूनिट की बिक्री हो रही है। आरा सीएनजी को सेडान सेगमेंट की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कारों में गिना जा रहा है। कंपनी का दावा है कि इसका रियल वर्ल्ड माइलेज लगभग 30 किलोमीटर प्रति किलोग्राम तक पहुंचता है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.98 लाख रुपये रखी गई है। कार में 1.2 लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन दिया गया है, जिसे 5 स्पीड मैनुअल और आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ पेश किया गया है। पेट्रोल इंजन 83 पीएस की पावर और 113.8 एनएम टार्क जनरेट करता है। वहीं सीएनजी वर्जन 69 पीएस की पावर और 95.2 एनएम टार्क देता है। कंपनी इस कार पर 3 साल या 1 लाख किलोमीटर की वारंटी भी दे रही है। फीचर्स की बात करें तो आरा फेसलिफ्ट में 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट, कूल्ड ग्लव बाक्स और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा एलईडी डीआरएल और कनेक्टेड एलईडी टेल लैंप भी मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से कंपनी ने इसमें 30 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स शामिल किए हैं। कार में स्टैंडर्ड तौर पर 4 एयरबैग और विकल्प के रूप में 6 एयरबैग दिए गए हैं।

ट्रायम्फ की 350 सीसी श्रेणी की बाइक्स की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अपनी 350 सीसी श्रेणी की बाइक्स की कीमतों में ट्रायम्फ मोटरसाइकिल इंडिया ने बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। कंपनी के वाहनों की नई दरें 1 जून 2026 से लागू होंगी। चार प्रमुख माडलों की कीमतों में कंपनी ने 2,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की वृद्धि की है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी स्क्रैम्बलर 400 एक्ससी और थ्रक्सटन 400 की कीमतों में की गई है। इन दोनों माडलों के लिए ग्राहकों को अब 5,000 रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे। वहीं स्पीड टी4 की कीमत 4,000 रुपये और स्पीड 400 की कीमत 2,000 रुपये बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि ट्रायम्फ और बजाज आटो ने इस वर्ष की शुरुआत में अपने 400 सीसी प्लेटफार्म को नए 350 सीसी इंजन के साथ पेश किया था। इंजन क्षमता में बदलाव का उद्देश्य कर ढांचे का लाभ उठाना था, लेकिन इसके बावजूद कीमतों में अपेक्षित कमी नहीं की गई थी। अब लान्च के कुछ ही समय बाद कीमतें बढ़ाए जाने से ग्राहकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है। कंपनी की ओर से ट्रैकर 400 और स्क्रैम्बलर 400 एक्स की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि भविष्य में इन माडलों की कीमतों की समीक्षा की जा सकती है।

नई एमजी मेजेस्टर और जीप मेरिडियन के बीच कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में एमजी मोटर की नई एमजी मेजेस्टर और जीप मेरिडियन के बीच भारतीय बाजार में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। हाल ही में एमजी मेजेस्टर लान्च हुई है और इसे सीधे टोयोटा फार्च्यूनर को चुनौती देने वाली एसयूवी माना जा रहा है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 40.99 लाख रुपये है, जबकि टाप वैरिएंट की कीमत 44.99 लाख रुपये तक जाती है। दूसरी ओर, जीप मेरिडियन की शुरुआती कीमत 23.33 लाख रुपये है और इसका टाप माडल करीब 38 लाख रुपये तक पहुंचता है। एमजी मेजेस्टर आकार में काफी बड़ी और ज्यादा प्रीमियम मानी जा रही है। इसमें बड़ा केबिन, डुअल 12.3 इंच स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स और प्रीमियम साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वहीं जीप मेरिडियन का डिजाइन ज्यादा रग्ड और आफ-रोडिंग फोकस वाला है। हालांकि इसका इंटीरियर भी प्रीमियम है, लेकिन मेजेस्टर की तुलना में कम स्पेशियस माना जा रहा है। फीचर्स और सेफ्टी के मामले में भी एमजी मेजेस्टर आगे दिखाई देती है। इसमें लेवल-2 एडीएएस, 360 डिग्री कैमरा, मल्टी टेरेन मोड्स और कई आधुनिक टेक्नोलाजी फीचर्स दिए गए हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला मेरिट्रानिक्स का आईपीओ, 8 जून को लिस्टिंग संभव

नई दिल्ली

इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मेरिट्रानिक्स लिमिटेड का 70.03 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में तीन जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद चार जून को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच जून को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर आठ जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 141 रुपये से लेकर 149 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,98,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 47 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 2.36 शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.91 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 30.02 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए जीवाईआर कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं गिरिराज स्टाक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

मेरिट्रानिक्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 16.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 86.01 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 114.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 156.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 15.82 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 43.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.58 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.23 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 52.52 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें, तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.39 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 40.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 6.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 15.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का ईबीआईटीडीए 27.22 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

फिर महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर, घरेलू सिलेंडर के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

देश की आयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। हालांकि कीमत में की गई ये वृद्धि सिर्फ 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर और पांच किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर तक ही सीमित हैं। घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

आयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये से लेकर 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। सिलेंडर की नई कीमत ही लागू हो गई है। इससे पहले पिछले महीने की पहली तारीख यानी एक मई को कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगभग एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में ये बढ़ोतरी 993 रुपये की थी, जबकि कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 998.50 रुपये हो गई थी। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 990.50 रुपये महंगा हो गया था।

कीमत में बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत 3,113.50 रुपये और कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,255.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 3,063.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,281.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की तरह ही छोटू सिलेंडर के नाम से मशहूर पांच किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पांच किलोग्राम वाले एफटीएल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 821.50 रुपये से लेकर 832.50 रुपये तक हो गई है। जहां तक घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की बात है, तो इसकी कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार बदलाव इस साल सात मार्च 2026 को हुआ था। सात मार्च को घरेलू गैस सिलेंडर के मूल्य में 60 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई थी।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 जून से

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच जून को नीतिगत निर्णय की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, आरबीआई मुंबई में आयोजित होने वाली की इस बैठक में पश्चिमी एशिया संकट और भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति की चिंताओं तथा रुपये पर दबाव के कारण रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रख सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि एमपीसी से इस बार प्रमुख ब्याज दरों रेपो रेट में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं जताई जा रही है। बढ़ती ऊर्जा कीमतों, कमजोर होते रुपये और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की वजह से आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के अनुमान बढ़ा सकता है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में आरबीआई ने पश्चिम एशिया संघर्ष के ऊर्जा आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव का आकलन के लिए देखो और इंतजार करो का रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी अपरिवर्तित रखा था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना व चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,57,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड ऊंचाई पर बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेक शेयरों में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान पाजिटिव माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 363.37 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ 51,032.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,580.06 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.20 प्रतिशत उछल कर 26,972.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,074.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,409.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,183.34 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर डीएएक्स इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,104.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, तीन एशियाई बाजार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। थाईलैंड के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है।

गिरावट के साथ कारोबार कर रहे एशियाई बाजार में गिफ्ट निफ्टी 76 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,614 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत टूट कर 4,063.72 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं इंडोनेशिया का जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत लुढ़क कर 6,127.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 483.50 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66,813 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 215.61 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,398 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 371.99 अंक यानी 4.39 प्रतिशत उछल कर 8,848.14 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 682.13 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 45,415.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,037.86 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

नार्वे शतरंज छठा दौर : भारतीय सितारों के लिए कठिन दिन, खिताबी मुकाबला हुआ और रोमांचक

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के छठे दौर में रोमांच अपने चरम पर रहा। ओस्लो में रविवार को खेले गए सभी तीन मुकाबलों का नतीजा निकला, जिससे खिताब की दौड़ और भी दिलचस्प हो गई। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेज़ा फिरोज़ा को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने रणनीतिक मुकाबले में धीरे-धीरे दबाव बनाया और अंतिम चरण में बढ़त को जीत में बदल दिया। इस जीत के साथ कार्लसन अंक तालिका में शीर्ष खिलाड़ियों के करीब पहुंच गए, जबकि फिरोज़ा को टूर्नामेंट में अपनी पहली क्लासिकल हार झेलनी पड़ी। दूसरे मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को लंबे संघर्ष के बाद मात दी। वेस्ली सो ने जटिल परिस्थितियों को बेहतर ढंग से संभाला और एंडगेम में अपने अवसरों का पूरा फायदा उठाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। दिन का तीसरा निर्णायक परिणाम तब आया जब जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को पराजित किया। कीमर ने पूरे मुकाबले में पहल बनाए रखी और मिले अवसरों का लाभ उठाकर विश्व चैंपियन के खिलाफ अहम जीत दर्ज की। छठे दौर के बाद वेस्ली सो नार्वे शतरंज 2026 की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं, जबकि अलीरेज़ा फिरोज़ा उनके करीब बने हुए हैं। खिताब की दौड़ अभी पूरी तरह खुली हुई है।

नार्वे शतरंज महिला वर्ग: बिबिसारा असाउबायेवा एकल बढ़त पर महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। दिन के दौरान एक क्लासिकल मुकाबले का फैसला हुआ, जबकि दो मैच आर्मागेडन टाईब्रेकर तक पहुंचे। मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को लंबे संघर्ष के बाद हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू ने धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की और एंडगेम में बढ़त को जीत में बदल दिया। बिबिसारा असाउबायेवा और भारत की कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में असाउबायेवा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और एक बार फिर एकल बढ़त हासिल कर ली। वहीं अन्ना मुज़िचुक और झू जिनर का क्लासिकल मुकाबला भी ड्रा रहा। आर्मागेडन में झू जिनर ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। छठे दौर के बाद महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 9.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रीमियर लीगः लिवरपूल को बड़ा झटका, इब्राहिमा कोनाते ने क्लब छोड़ने का फैसला किया

लिवरपूल । लिवरपूल एफसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके स्टार सेंटर-बैक इब्राहिमा कोनाते इस गर्मी में अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब छोड़ देंगे। क्लब और खिलाड़ी के बीच नए अनुबंध को लेकर बातचीत सफल नहीं हो सकी, जिसके चलते कोनाते ने अलग होने का फैसला किया। हालांकि पिछले महीने फ्रांस के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने भरोसा जताया था कि नए अनुबंध पर सहमति बन जाएगी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। कोनाते के जाने से लिवरपूल को बड़ा झटका लगा है। वह इस सत्र क्लब छोड़ने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। इससे पहले मोहम्मद सलाह और एंडी राबर्टसन भी क्लब से अलग हो चुके हैं। 27 वर्षीय कोनाते ने वर्ष 2021 में लिवरपूल का दामन थामा था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्लब को प्रीमियर लीग, एफए कप और दो लीग कप खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लिवरपूल ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इब्राहिमा कोनाते इस गर्मी में अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब छोड़ देंगे। क्लब ने उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। 2024-25 के खिताबी सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले कोनाते का 2025-26 सत्र अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा। उनकी फार्म में गिरावट देखने को मिली, जिसके बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोनाते का नाम यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जोड़ा जा रहा है और माना जा रहा है कि वह जल्द ही फ्रांसीसी क्लब के साथ जुड़ सकते हैं।

आरसीबी लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी

अहमदाबाद। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताब जीतने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ऐसी तीसरी टीम बन गयी है जो लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही है। ये कारनाम सबसे पहले, महेंद्र सिंह धोनी की करिश्माई कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार खिताब जीतकर किया था। इसके बाद, रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने साल 2019 और 2020 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब, रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दूसरे बार खिताब जीत है। उससे गत वर्ष पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था जबकि इस साल गुजरात टाइटंस को हराया है। इससे पता चलता है कि टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही आईपीएल के प्लेआफ प्रारुप में क्वालीफायर-1 की विजेता टीम की जीत का क्रम बना हुआ है। 2011 से लागू प्लेआफ प्रारुप में देखा गया है कि लीग स्तर में जिन शीर्ष दो टीमों के बीच क्वालीफायर-1 खेला जाता है, जिसकी विजेता टीम सीधे फाइनल में पहुंची है। इस सीजन में भी आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटंस को हराकर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया था। यह 19वें सत्र के साथ ही 9वीं बार और कुल मिलाकर 13वीं बार हुआ है जब क्वालीफायर-1 जीतने वाली टीम ने फाइनल मुकाबले पर भी कब्जा किया है।

बार्सिलोना की ओर से खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे फुटबालर बने गार्डन

मैड्रिड। इंग्लैंड के फुटबालर एंथनी गार्डन अब एफसी बार्सिलोना क्लब की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे।

इससे पहले गार्डन न्यूकैसल यूनाइटेड से खेलते थे। वहीं अब बार्सिलोना ने गार्डन के साथ करार की पुष्टि की है। गार्डन को छह साल के लिए शामिल किया गया हैं। इस हस्ताक्षर के साथ वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद कैटलन क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड में अपने सफल चिकित्सा परीक्षण के बाद गार्डन के साथ करार पूरा हुआ। बार्सिलोना में शामिल होने के बाद, गार्डन ने अपनी पुरानी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही इस टीम के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए फुटबाल खेलूंगा, इसलिए मैं स्पैनिश बोलना चाहता था। उन्होंने साथ ही कहा कि न्यूकैसल में उनके एक फिजियो से वह हर दिन बात करते थे और उन्हें बताते थे कि एक दिन वह बार्सिलोना के लिए खेलेंगे। उन्होंने क्लब को दुनिया का सबसे बड़ा क्लब बताते हुए, बार्सिलोना के लिए खेलने के अपने बचपन के सपने को साकार करने पर खुशी जतायी है।

चंडीगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले 8 जून से शुरु होंगे

चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रीमियर लीग का चौथा संस्करण 8 जून से 26 जून 2026 तक पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में खेला जाएगा। चंडीगढ़ यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) के अनुसार इसमें क्रिकेट प्रेमियों को अगले 18 दिनों तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की छह फ्रेंचाइजी आधारित टीमें ट्राफी के लिए भिड़ेंगी। लीग चरण में कुल 30 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके बाद दो सेमीफाइनल और एक फाइनल सहित कुल तीन नाकआउट मैच होंगे, जो प्रतियोगिता के अंतिम चरण को और भी रोमांचक बनाएंगे। सभी मैच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार फ्लडलाइट्स की तेज रोशनी में खेले जाएंगे, जिससे मुकाबलों का आकर्षण और भी बढ़ जाएगा। इस लीग में निरंतरता बनी हुई है, जहां पिछली बार की तीन फ्रेंचाइजियां इस सत्र में भी अपनी जगह बनाए रखी हैं, जबकि क्रिकेट प्रेमियों को तीन नई टीमों को देखने का भी मौका मिलेगा, जिससे प्रतियोगिता और भी दिलचस्प होगी। प्रतिदिन दो रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पहला मैच दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा, जिससे दर्शकों को पूरे दिन क्रिकेट का आनंद लेने का मौका मिलेगा। स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फ्लडलाइट्स और खिलाड़ियों तथा दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि हर मैच एक यादगार अनुभव बन सके। लीग के दौरान एक विशेष निगरानी क्षेत्र होगा, और पूरे टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं की निगरानी बीसीसीआई अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जिससे खेल की निष्पक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

इस लीग के लिए सभी छह टीमों के कप्तान और कोच की भी घोषणा की गई है। इसमें हिम्स हाक्स की कमान मनन वोहरा संभालेंगे और टीम के कोच रविकांत शर्मा होंगे; मौजूदा चैंपियन चंडीगढ़ किंग्स की अगुवाई एक बार फिर शिवम भांबरी करेंगे, जबकि राजीव नैय्यर टीम के मुख्य कोच होंगे; कैपिटल स्ट्राइकर्स का नेतृत्व अर्जुन आजाद करेंगे और हरी कृष्ण उनके मुख्य कोच के रूप में कार्य करेंगे; ट्राइसिटी बैशर्स के कप्तान देवांग कौशिक होंगे, वहीं धर्मेंद्र राज टीम के कोच की भूमिका निभाएंगे; राक गार्डन वारियर्स के लिए दीपेंद्र कुश कप्तानी करेंगे और विनीत जैन उनके कोच होंगे; और रायल टाइटंस की कप्तानी मोहित सोनी करेंगे, जबकि सुरिंदर सिंह टीम के कोच होंगे।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ के नये प्रारुप को लेकर आशंकाएं जतायीं

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स आयोगकी अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा। उन्होंने कहा, यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों के लिए यह मददगार हो सकता है क्योंकि वे अपना करियर 2-3 साल और बढ़ाना चाहेंगे। मैच छोटे होने से फायदा मिलेगा।सिंधु ने कहा कि 21-अंक प्रणाली में आपके पास वापसी करने के लिए 5-6 अंक का समय होता है, लेकिन 15 अंक प्रणाली में वह मौका नहीं मिलेगा।

आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले - इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा

अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है।

रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवार्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेआफ जैसे बड़े मुकाबलों में।

महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रायल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर आफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर आफ द सीजन, सुपर सिक्सेस आफ द सीजन, आरेंज कैप और एमवीपी आफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं। उन्होंने राजस्थान रायल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।

राधिका पंचोले ने एवरेस्ट अंतराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता

इंदौर। विश्व कराते महासंघ के सानिध्य में नेपाल खेल प्राधिकरण के सहयोग से एवं नेपाल कराते महासंघ के तत्वाधान में दिनांक 29 मई से 2 जून को काठमांडू नेपाल में आयोजित की गई 12 वे माउंट एवरेस्ट कराते स्पर्धा के लिए एलेट स्पोर्ट्स के खिलाड़ी आर डी विक्टोरियस के बैनर तले राधिका पंचोले और राधिका पटेल इंदौर जिले के महू के कादरिया ग्राम की ये दोनों खिलाड़ी ने मध्यप्रदेश को गौरांवित कर दिया। इस स्पर्धा में राधिका पंचोले ने टक्कर पाकिस्तान भूटान जापान और कतर जैसे देशों को क्वालीफाई राउंड में हरा कर नाक आउट में बांग्लादेश को हराकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया इनके कोच शीहान की उपाधि रखने वाले अमय लश्करी है । उन्हें स्पर्धा के मुख्य अतिथि नेपाल सरकार के खेल मंत्री ने आशीर्वाद दिया ।

केप्लर वेसल्स के नाम है एक अनोखा रिकार्ड

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केप्लर वेसल्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड है जो किसी अन्य खिलाड़ी के नाम नहीं है। वेसल्स एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं तो 100 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद भी कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। एक एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड सनथ जयसूर्या के नाम दर्ज है, जो 34 बार शून्य पर आउट हुए। इस सूची में शाहिद अफरीदी और महेला जयवर्धने जैसे कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं पर वेसल्स हमेशा ही नाबाद रहे।

साल 1983 से 1994 के बीच खेले गए अपने एकदिवसीय करियर में वेसल्स ने 109 मैचों में हिस्सा लिया और 105 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 3367 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शानदार शतक और 26 अर्धशतक भी बनाये, जो उनकी निरंतरता और स्कोर करने की क्षमता का प्रमाण है। वेसल्स उस दौर में खेले, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैल्कम मार्शल, रिचर्ड हैडली, इमरान खान और कपिल देव जैसे कई घातक गेंदबाज खेलते थे। इन खतरनाक गेंदबाजों के बावजूद कोई भी इस बल्लेबाज को कभी शून्य पर आउट नहीं कर सका। यही रिकार्ड वेसल्स को बेहद खास बनाता है।

केप्लर वेसल्स का करियर सिर्फ इस अनूठे रिकार्ड के लिए ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी विशेष है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वेसल्स ने रंगभेद नीति के कारण देश पर लगे प्रतिबंध के चलते अपने करियर की शुरुआत आस्ट्रेलिया के लिए की थी। उन्होंने 1982 में आस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक लगाकर सबकों हैरान कर दिया। उन्होंने आस्ट्रेलिया के लिए 24 टेस्ट मैच खेले और सलामी बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाई। वहीं जब 1991 में दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा, तो वेसल्स अपने देश लौट आए और उन्हें नई दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी सौंपी गई। उन्होंने 1992 के विश्व कप में टीम का नेतृत्व किया और उन्हें सेमीफाइनल तक पहुँचाया। वह दोनों देशों के लिए टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने और दक्षिण अफ्रीका के पहले एकदिवसीय कप्तान के रूप में भी रिकार्ड बनाया। इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 40 टेस्ट मैचों में 2788 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। एकदिवसीय में 3367 रन के अलावा उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन और 66 शतक लगाये हैं।, जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उनके नाम 12 हजार से अधिक रन दर्ज हैं।

विश्व कप 2027 की तैयारी में जुटा वेस्टइंडीज, शिमरान हेटमायर की वनडे टीम में वापसी

एंटिगुआ

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज शिमरान हेटमायर की एक बार फिर वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ चोट से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने के लिए तैयार हैं।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने स्पष्ट किया है कि हेटमायर को 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए टीम में दोबारा शामिल किया गया है। हेटमायर ने आखिरी बार जून 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच खेला था। इसके बाद वह पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई तीन वनडे श्रृंखलाओं से बाहर रहे थे।

हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में हेटमायर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 248 रन बनाए थे। हालांकि आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स के लिए उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और उन्होंने सात पारियों में सिर्फ 78 रन बनाए।

अल्जारी जोसेफ की वापसी से गेंदबाजी को मजबूती

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ की चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं। वह जुलाई 2025 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते नजर आ सकते हैं। उनके साथ तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और जेडन सील्स भी टीम में शामिल हैं, जिनके कार्यभार पर विशेष नजर रखी जाएगी।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती की भी टीम में वापसी हुई है। वह पिछले साल न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे।

चार खिलाड़ियों की छुट्टी

न्यूजीलैंड दौरे वाली टीम से अलिक अथानाजे, जोहान लेन, खैरी पियरे और रोमारियो शेफर्ड को बाहर कर दिया गया है।

विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ में वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की दौड़ में बना हुआ है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक अनुशासित और मजबूत वनडे टीम है। उनके अनुसार यह श्रृंखला वेस्टइंडीज के लिए अपनी क्रिकेट पहचान को और मजबूत करने का अवसर होगी। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैच 3, 6 और 8 जून को जमैका में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें तीन टी20 और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भी आमने-सामने होंगी।

श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), अकीम आगस्टे, जान कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरान हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमार स्प्रिंगर।

आज के भागदौड़ और थकाने वाले जमाने में छात्रों की पूरी दिनचर्या बदल गई है। तनाव हावी होता है और भूख कम लगती है। कैफीनयुक्त चीजें व जंक फूड का सेवन बढ़ जाता है। वजन बढ़ने के साथ-साथ कुछ में इसका असर याद करने की क्षमता पर भी दिखाई देता है। याद किए हुए को याद रख पाने के लिए छह से सात घंटे की नींद जरूरी होती है, तो बेचैनी को कम करने के लिए ताजी हवा और पर्याप्त पोषण की। हमारे शरीर के कुल वजन का 2 वजन रखने वाला हमारा मस्तिष्क पूरे शरीर की 20 ऑक्सीजन और कैलोरी का इस्तेमाल करता है। पूरे दिन घर के भीतर किताब और लैपटॉप में समय बीतने के कारण पॉस्चर में आने वाला बदलाव फेफड़ों की क्षमता और ऑक्सीजन के स्तर को कम करता है, जिससे उलझन, याद न रख पाने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

वो खाएं जो याददाश्त बढ़ाए

दिमाग की जरूरत को समझें

कई शोध साबित करते हैं कि किस तरह पर्याप्त पोषण मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाता है। यहां तक कि कुछ समय के लिए हुई पोषण की कमी भी मस्तिष्कीय कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा देती है और मस्तिष्क तक संदेश पहुंचाने वाले न्यूरोट्रांसमीटर्स की क्षमता को कम करती है। अक्सर छात्र कुछ भी आसानी से उपलब्ध हो जाने वाली खाने की तली-भुनी चीजें खाने लगते हैं। कैफीनयुक्त चीजों का सेवन बढ़ जाता है और शारीरिक सक्रियता कम हो जाती है। विटामिन ए, ई और सी जैसे एंटीऑक्सी डेंट्स से भरपूर खाने की चीजें मस्तिष्क की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को रोकती हैं। विटामिन ए के लिए गाजर, ब्रोकली, मेवे और चने खाने चाहिए। विटामिन सी के लिए खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, मौसमी और विटामिन ई के लिए मूंगफली, पालक, वनस्पति घी आदि ले सकते हैं।

पालक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जिसमें बीटा केरोटीन, विटामिन सी और फॉलिक एसिड होता है, जिससे मस्तिष्क का तंत्रिका तंत्र प्रभावी ढंग से काम करता है। हीमोग्लोबिन की कमी होने पर मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की पूर्ति में कमी आती है। इसके लिए भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, तिल, बींस, मछली, डेयरी उत्पाद व रेड मीट आदि नियमित खाने चाहिए। अगर शरीर में आयरन की कमी है तो चिकित्सक की सलाह से आयरन, विटामिन बी-12 व फॉलेट सप्लीमेंट्स ले सकते हैं।

खाली पेट चाय पीने के ये हैं नुकसान

चाय भारतीय समाज का एक अभिन्न अंग बन चुकी है, जिसे हम चाह कर भी नजर अंदाज नहीं कर सकते। जिस दिन चाय ना पियों तो ऐसा लगता है मानों दिन की शुरुआत ही नहीं हुई है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह नाश्ते से पहले चाय जरुर पीते हैं। क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छी आदत है? रिसर्च के अनुसार सुबह खाली पेट चाय पीना काफी नुकसानदायक हो सकता है, खासतौर पर गर्मियों में। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं जो कि शरीर में ऊर्जा भर देते हैं। काली चाय में अगर दूध मिला कर पिया जाए तो इससे एंटीऑक्सीडेंट खतम हो जाता है और फिर वह उतनी असरदार नहीं होती।

चाय पीने के फायदे भी अधिक हैं

- क्या आप का चाय पिये बिना काम नही चलता ? अगर ऐसा है तो चाय के बारे में कुछ जरुरी जानकारी है जो हम आपके साथ आज शेयर कर रहे हैं। अगर आप खाली पेट या फिर अधिक चाय पीते हैं तो आपको इसके नुकसान के बारे में जरुर पता होना चाहिए।
- क्या चाय पी कर मतली आती है चाय में ढेर सारा एसिड होता है जिसे खाली पेट सुबह पीने से पेट के रस पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए कई लोगों को सुबह चाय पीनी अच्छी नहीं लगती।
- क्या ब्लैक टी नुकसानदेह है अगर चाय में दूध ना मिलाया जाए तो वह काफी फायदा पहुंचाती है, जैसे मोटापा कम करना। पर अगर अधिक ब्लैक टी का सेवन किया जाए तो वह सीधे पेट पर असर करती है।
- दूध की चाय पीने के नुकसान अध्यन के अनुसार पाया गया है कि जो लोग खाली पेट बहुत अधिक दूध वाली चाय पीते हैं, उन्हें थकान का एहसास होता है। चाय में दूध मिलाने से एंटीऑक्सीडेंट का असर खतम हो जाता है।
- कड़ी चाय पीने के प्रभाव खाली पेट कड़ी चाय पीन से पेट को सीधा नुकसान पहुंच सकता है। कड़ी चाय से पेट में अल्सर और एसिडिटी हो सकती है।
- दो अलग-अलग चाय मिला कर पीने का नुकसान अध्यन के अनुसार पता चला है कि अगर आप दो अलग अलग ब्रैंड की चाय एक साथ मिला कर पियेंगे तो उसका असर काफी तेज होगा और आपको ऐसा महसूस होगा कि आप नशा चढ़ चुका है।
- चाय के साथ बिस्कुट खाने से क्या होता है चाय के साथ बिस्कुट या अन्य चीजें खाने से पेट द्वारा चाय अच्छी तरह से पचा ली जाती है। दूसरी ओर चाय के साथ नमकीन या मीठा खाने से शरीर को सोडियम की प्राप्ती होती है, जिससे अल्सर नहीं होता।
- चाय पीने की गंदी आदत क्या है चाय में टैनिन होता है, खासतौर पर गहरे रंग वाली चाय में। ऐसे में वह आपके खाने में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकती है इसलिये दोपहर में खाना खाने के बाद चाय ना पिएं।
- प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है जो पुरुष दिन में 5-कप चाय पीते हैं, उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है, ऐसी बात एक अध्यन में आई है। इससे पहले कई शोधो में दावा किया गया है कि चाय पीने से कैंसर का खतरा टलता है।

हर मामले में जरूरी नहीं जोड़ प्रत्यारोपण

गठिया एक ऐसी बीमारी है, जो उम्र बढ़ने के साथ किसी भी व्यक्ति को अपनी चपेट में ले सकती है। खासकर मिडिल एज के लोगों और वृद्धजनों को गठिया की समस्या कुछ ज्यादा ही प्रभावित करती है। यह सच है कि जोड़ प्रत्यारोपण उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों के क्षतिग्रस्त हुए कार्टिलेज की समस्या के दूर करने का कारगर व सुरक्षित उपचार है, लेकिन हर मामले में जोड़-प्रत्यारोपण की जरूरत नहीं होती। इसलिए जोड़ प्रत्यारोपण के अन्य विकल्पों के बारे में भी जानना जरूरी है।

पहला विकल्प : गठिया की शुरुआती स्थिति में फिजियोथेरेपी और कई प्रकार की दवाएं दी जाती हैं। ये दवाएं मरीज को राहत दिलाने के साथ-साथ मर्ज को बढ़ने से भी रोकती हैं।

दूसरा विकल्प : इंट्रा आर्टीकुलर इंजेक्शन दूसरा विकल्प है। इस विकल्प के अंतर्गत विभिन्न तरह की दवाएं इंजेक्शन के जरिए दी जाती हैं। ये दवाएं मरीज को गठिया से राहत दिलाने में मददगार होती हैं।

तीसरा विकल्प : आर्थोस्कोपिक सर्जरी के जरिए दूरबीन विधि द्वारा गठियाग्रस्त जोड़ को दर्द रहित और गतिशील बनाया जा सकता है।

चौथा विकल्प : इसके अंतर्गत ऑस्टियोटॉमी को शुमार किया जाता है। क्षतिग्रस्त जोड़ को ऑस्टियोटॅमी विधि के जरिए जोड़ के विभिन्न भागों में पडने वाले दबावों को स्थानांतरित करके गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है।

पांचवा विकल्प : इस विकल्प के अंतर्गत आंशिक प्रत्यारोपण किया जाता है। जब जोड़ का सिर्फ कुछ भाग ही क्षतिग्रस्त है, तब पूर्ण प्रत्यारोपण की बजाय आंशिक प्रत्यारोपण से भी अनेक मरीजों को राहत मिल सकती है।

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी दुनियाभर में फैली है। हर 5में से 4 लोग इस बीमारी का शिकार हैं। वहीं भारत में तो यह बीमारी सबसे बड़ा गढ़ बनी हुई है। इसका सबसे बड़ा कारण हमारा लाइफस्टाइल है। अगर खाने-पीने की आदतों को थोड़ा सुधार लिया जाए तो काफी हद तक इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि खाली पेट सुबह सबसे पहले अपना शुगर लेवल चेक करें और रात को सोते समय भी अपना शुगर लेवल चेक कर लें क्योंकि इसकी मदद से आप उसी तरह की डाइट ले सकते हैं।

डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के तरीके

व्यायाम- कसरत करने से खून का दौरा सही रहता है, जिससे खून मेंशक्कर की मात्रा भी काबू में ही रहती है।

मीठी चीजों से करें परहेज- आपको चीनी, गुड़, शहद, कोल्ड ड्रिंक्स आदि कम खानी चाहिए जिससे रक्त में शर्करा का स्तर बिल्ल्कुल नियंत्रण में रहे। ज्यादा मीठी चीजे और मीठे पेय पदार्थों का सेवन इंसुलिन के लेवल को बढ़ा सकता है।

सोया- डायबिटीज को कम करने के लिए सोया जादुई असर दिखाता है। इसमें मौजूद इसोफ्लावोन्स शुगर लेवल को कम कर के शरीर को प्रोषण पहुंचाता है। थोड़ी थोड़ी मात्रा में इसका सेवन करें।

ग्रीन टी- रोजाना बिना चीनी की ग्रीन टी पीजिए क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो कि शरीर में फ्रीरैडिकल्स से लड़ाई करता है और ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करता है।

कॉफी- ज्यादा कैफीन लेने से हृदय रोग की समस्या हो सकती है, लेकिन अगर यह हद में रह कर ली जाए तो काफी हद तक यह ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन कर सकती है।

खाने का खास ख्याल- थोड़ी-थोड़ी देर पर खाना नहीं लेते रहने से हाइपोग्लाइसेमिया होने की आशंका काफी बढ़ जाती है, जिसमें शुगर 70 से भी कम हो जाती है। हर ढ़ाई घंटे बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाना खाते रहें। दिन भर में 3 बार खाने के बजाए थोड़ा-थोड़ा 6-7 बार खाएं।

फाइबर- खून में से शुगर को सोखने में फाइबर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए आपको गेहूं, ब्राउन राइस या वीट ब्रेड आदि खाना चाहिए, जिससे शरीर में ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रहेगा, जिससे मधुमेह का रिस्क कम होगा।

ताजे फल और सब्जियां- ताजे फलों में विटामिन ए और सी होता है जो कि खून और हड्डियों के स्वास्थ्य को मेंटेन करता है। इसके अलावा जिंक, पोटैशियम, आयरन का भी अच्छा मेल पाया जाता है। पालक, खोभी, करेला, अरबी, लौकी आदि मधुमेह में स्वास्थ्य वर्धक होती हैं। यह कैलोरी में कम और विटामिन सी, बीटा कैरोटीन और मैगनीशियम में ज्यादा होती हैं, जिससे मधुमेह ठीक होता है।

दालचीनी- दालचीनी, शरीर की सूजन को कम करता है तथा इंसुलिन लेवल को नियंत्रित करता है। इसको आप खाने, चाय या फिर गरम पानी में एक चुटकी दालचीनी पाउडर मिक्स कर पीएं।

टैंशन से दूर रहें- ऑक्सीटोसिन और सेरोटिन दोनों ही नसों की कार्यक्षता पर असर डालते हैं। तनाव होने पर एड्रानलिन का रिसाव होता है तब यह डिस्टर्ब हो जाता है और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च प्रोटीन डाइट- जो लोग नॉन वेज खाते हैं उन्हें अपनी डाइट में लील मीट शामिल करना चाहिए। उच्च प्रोटीन डाइट खाने से शरीर में ताकत बनी रहती है क्योंकि मधुमेह रोगियों को कार्बोहाइड्रेट और हाई फैट से दूर रहने के लिए कहा गया है।

खूब पानी पीएं- पानी खून में बढ़ी शुगर को इक्ट्ठा करता है, जिस वजह से आपको 2.5 लीटर पानी रोजाना पीना चाहिए। इससे ना ही आपको हृदय रोग होगा और ना ही डायबिटीज।

नमक पर रोक- नमक की सही सीमा आपको डायबिटीज को कंट्रोल करने मे मदद करेगा। ज्यादा नमक खाने से शरीर में हार्मोनल खराबी पैदा हो जाती है। इससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

सिरका- खून मे एकाग्र शुगर को सिरका खुद के साथ घोल कर हल्का कर देता है। स्टडी में कहा गया है कि भोजन करने के पहले 2 चम्मच सिरका लेने से ग्लूकूज का फ्लो कम हो जाएगा।

40 पार मां बनना चाहती हैं, तो रखें इन बातों का ध्यान

एक अध्ययन से पता चला है कि 95 फीसदी महिलाएं करियर और परिवार के बीच में परिवार को ही चुनती हैं। करियर के तरफ बढने के दौरान, महिलाओं पर मां बनने का भी दबाव होता है क्योंकि इसमें देरी करने पर उम्र बढ़ने से मां बनने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसकी वजह से वे अपने करियर में सहयोगियों से बेहतर होते हुए भी पिछड़ती जाती हैं। लेकिन कुछ महिलाएं अपना करियर बीच मे नहीं छोड़ती और 40 पार कर जाने के बाद भी मां बनने के सपने को साकार करना चाहती हैं। लेकिन महिलाओं की प्रजनन क्षमता 35 की उम्र आते-आते कम होनी शुरू हो जाती है। ऐसा नहीं है कि वे इस उम्र के बाद प्रेगनेंट नहीं हो सकतीं। आप अगर 40 पार भी मां बनने की इच्छा रखती हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपकी प्रजनन क्षमता बरकरार रहे। उम्र बढने के साथ एग की क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों कम होती जाती है। 25 से 30 वर्ष की उम्र में अपना एग फ्रीज कराकर अपने मां बनने के सपने को 40 साल की उम्र में भी पूरा कर सकती हैं।

- सही प्रकार के प्रोटीन प्रजनन क्षमता को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं; टोफू, चिकन, अंडे, और कुछ सी-फूड्स में उच्च स्तर पर ओमेगा -3 फैटी एसिड, लोह-तत्व, सेलेनियम इत्यादि पाए जाते हैं। आपके विटामिन में फोलिक एसिड, कैल्शियम और लोह-तत्व मौजूद हों। इसके लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें खाएं। किसी भी तरह के यौन रोग न हों, इसके लिए सेफ सेक्स पर गौर करें।

- वजन कम करें। अध्ययन बताते हैं की मोटापे से ग्रस्त महिलाओं को गर्भधारण करने में ज्यादा कठिनाई आती है और उन्हें गर्भावस्था के दौरान अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि आपका बॉडी मास इंडेक्स (बी.एम.आई.) थोड़ा अधिक है, तो डाइट ठीक करें और साथ ही एक्सरसाइज भी करें या फिर योगाभ्यास शुरू करें।
- धूम्रपान त्यागें। यह न सिर्फ गर्भावस्था के लिए हानिकारक है अपितु यह गर्भ धारण करने में भी बाधा पैदा कर सकता है।
- एक कहावत है कि हंसी सबसे अच्छी दवा है। अधिकांश डॉक्टर भी मानते हैं कि यह 100 प्रतिशत सही है। तो फिर दिल से क्यों न हंसा जाए। अगर आप जोर से हंसती हैं या मुस्कराती भी हैं तो आपके शरीर में फील गुड हारमोन्स का स्त्रव होता है, जो तनाव पैदा करने वाले कोर्टीसोल नामक हार्मोन को नष्ट करता है। इससे आप ज्यादा सेहतमंद रह पाएंगी। हंसने से चेहरे की माशपेशियों का भी व्यायाम हो जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**